www.anokhateer.com
anokhateer@gmail.com
पंजीयन क्रमांक-एमपीएचआईएन 69306/1998

Epaper

दैनिक
अनोखा तीर
हरदा एवं नर्मदापुरम् से एक साथ प्रकाशित
निशाने पर हर खबर

8 जून 2025
हरदा, रविवार
वर्ष-15, अंक -4, पृष्ठ-8
मूल्य- 2 रुपए
ज्येष्ठ शुक्ल - 12
विक्रम संवत् 2082

नदियों के उद्गमों को संरक्षित करें, इनमें होती है भरपूर ऊर्जा

- पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री ने अजनाल नदी के उद्गम स्थल पर किया पौधरोपण

अनोखा तीर, हरदा।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने शनिवार को रहटगांव तहसील के ग्राम खूमी में स्थित अजनाल नदी के उद्गम स्थल पर पहुंचकर विधिवत पूजा अर्चना की। इस अवसर पर उन्होंने ग्राम खूमी में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 25 लाख रुपए स्वीकृत करने की घोषणा की। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री कमल पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष गजेंद्र शाह, उपाध्यक्ष दर्शन सिंह गहलोत, जिला भाजपा अध्यक्ष राजेश वर्मा, जिला पंचायत सदस्य ललित पटेल, पूर्व विधायक संजय शाह के साथ-साथ वन मंडल अधिकारी अनिल चोपड़ा एवं जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती सविता झानिया सहित, कार्यक्रम के नोडल अधिकारी एवं संयुक्त कलेक्टर संजीव नागू सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री पटेल ने इस अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश में सबसे अधिक नदियों के उद्गम स्थल हैं। इसलिए हमारे प्रदेश को नदियों का मायकाश कहा जाता है। हमें नदियों के उद्गम स्थलों को संरक्षित करना चाहिए, नदियों के उद्गम स्थल पर भरपूर ऊर्जा होती है।

उन्होंने कहा कि नदियों के आसपास ट्यूबवेल उत्खनन तथा वृक्षों की कटाई के कारण कई नदियां नष्ट होने के कगार पर हैं। नदियों के स्रोतों को जिंदा रखना जरूरी है। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि हम नदियों के स्रोतों को नष्ट कर रहे हैं और नहरो का पानी नदियों में डालकर खुश हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में भरपूर नदियां होने के बावजूद यहां का जलस्तर घटना चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता नदियों के संरक्षण की है। अतः ज़रूरी है कि नदियों के किनारे वृक्ष लगाएं। मंत्री श्री पटेल ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अधिकारियों को निर्देश दिए कि बड़वानी से खूमी रोड के साइड सोल्डर भरवाएं।

बरगद, नीम और पीपल के पौधे लगाए

पंचायत ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने शनिवार को ग्राम खूमी में अजनाल नदी के उद्गम स्थल पर वन विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों के साथ पीपल, बरगद एवं नीम के पौधे लगाए। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को नदी के उद्गम स्थल के आसपास और अधिक पौधे लगाने, तथा लगाए गए पौधों को संरक्षित करने के निर्देश दिए।

मेट्रोपॉलिटन सिटी बनने के बाद सीहोर जिला भी विकास के नए दौर में प्रवेश करेगा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

विकसित खेती और समृद्ध किसान ही हमारा संकल्प : केंद्रीय कृषि मंत्री

अनोखा तीर, भोपाल/सीहोर।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने सीहोर में आयोजित कार्यक्रम में 113 करोड़ 45 लाख 59 हजार रूपये के विकास एवं निर्माण कार्यों का लोकार्पण

मुख्यमंत्री ने की सीहोर नगरपालिका के विकास के लिये 50 करोड़ रुपये देने के साथ ही अनेक घोषणाएं

तथा भूमि-पूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने पीएम आवास, कल्याणी पेंशन, परिवार सहायता, संबल, दिव्यांग विवाह प्रोत्साहन योजना सहित विभिन्न योजनाओं के लाभान्वित हितग्राहियों को योजनाओं के स्वीकृति-पत्र भी प्रदान किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सीहोर नगर पालिका को विकास कार्यों के लिये 50 करोड़ रूपये देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सीहोर की यह पावन धरती वर्ष

1857 में हुए स्वतंत्रता संग्राम के क्रांति बिगुल की साक्षी है। जिस प्रकार जलियांवाला बाग में स्वतंत्रता के लिए क्रांतिकारियों ने अपने प्राण न्यौछावर किए, उसी प्रकार इस पावन धरती पर 356 क्रांतिकारियों ने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों का बलिदान दे दिया। उन्होंने कहा कि केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने मुख्यमंत्री रहते हुए जो योजनाएं और विकास के कार्य प्रारंभ किए, उन्हें आगे भी निरंतर जारी रखा जाएगा। प्रदेश की लाड़ली बहनों के सशक्तिकरण के लिए बनी योजना की राशि को तीन हजार रूपये तक बढ़ाया जाएगा।

विकसित खेती और समृद्ध किसान ही हमारा संकल्प : शिवराज

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी तथा मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में देश एवं प्रदेश का निरंतर विकास हो रहा है। हमारा सदैव यह प्रयास है कि जनता के विकास, मान, सम्मान और स्वाभिमान में कभी कोई कमी न आए।

10 साल के बच्चे को डंपर ने रौंदा, मौत

भिंड में बाइक फिसलने से गिरा, सिर से गुजरा पहिया

भिंड (एजेंसी)। भिंड में 10 साल के बच्चे को डंपर ने कुचल दिया। वह अपने ताऊ और चचेरे भाई के साथ बाइक से जा रहा था। सड़क पर बाइक फिसलने से वह सड़क पर जा गिरा। पीछे से आ रहे डंपर का पहिया उसके सिर से गुजर गया। उसकी वहीं मौत हो गई।

घटना शनिवार दोपहर को नेशनल हाईवे पर दबोहा गांव की है। यहां मेंटेनेंस के लिए सड़क खोदी गई थी। घटना ने नाराज लोगों और परिजनों ने चक्काजाम कर दिया। लोगों ने टोल प्लाजा कंपनी को हादसे का जिम्मेदार बताया।

सूचना मिलने पर मौके पर देहात थाना पुलिस, सिटी पुलिस, बरोही पुलिस और प्रशासनिक अफसर भी पहुंचे।

मप्र में कोरोना संक्रमित महिला की मौत

- ऑपरेशन के दौरान 9 माह की गर्भवती की बिगड़ी थी हालत

अनोखा तीर, भोपाल।

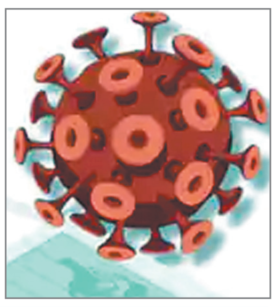

मध्य प्रदेश में कोरोना संक्रमण से दूसरी मौत की खबर सामने आई है। यह घटना खरगोन जिले की 45 वर्षीय महिला के साथ हुई, जो इंदौर के एक अस्पताल में भर्ती थी। महिला 9 महीने की गर्भवती थी और उसकी डिलीवरी के दौरान सांस लेने में तकलीफ के चलते मौत हुई।

ऑपरेशन के दौरान बिगड़ी हालत

गुरुवार को, सिजेरियन डिलीवरी के ऑपरेशन के दौरान महिला को अचानक दौरे पड़ने लगे। उसकी बिगड़ती हालत को देखते हुए, उसे तुरंत सांस लेने में मदद देने वाली मशीन (इंट्यूबेशन) पर रखा गया। हालांकि, उसकी स्थिति लगातार गंभीर होती गई और उसकी मौत हो गई। बाद में जब उसकी कोरोना आरटी-पीसीआर जांच रिपोर्ट आई, तो वह पॉजिटिव पाई गई। हालांकि, इंदौर के जिला स्वास्थ्य विभाग ने महिला की मौत का मुख्य कारण कोरोना संक्रमण नहीं, बल्कि सिजेरियन डिलीवरी के दौरान आई जटिलताओं को बताया है।

प्रदेश में कोरोना की स्थिति

वर्तमान में, मध्य प्रदेश में कोरोना के 3 नए मामले दर्ज किए जाने के बाद कुल संक्रमितों की संख्या 53 हो गई है। वहीं, प्रदेश में सक्रिय मामलों (एक्टिव केस) की संख्या अब 32 है।

प्री-मानसून की बारिश, सेंधवा में उफान पर नदी-नाले

नर्मदापुरम में आंधी से पेड़ गिरा, अगले दो दिन ऐसा ही मौसम रहने का अनुमान

अनोखा तीर, भोपाल। मध्यप्रदेश के कुछ जिलों में प्री-मानसून की बारिश हुई है। बड़वानी जिले के सेंधवा में तो 2 घंटे पानी गिरा। जिससे नदी-नाले उफान पर आ गए। धवनी-दुगानी मार्ग करीब एक घंटे तक बंद रहा। नर्मदापुरम में भी दोपहर बाद मौसम बदल गया। यहां करीब 15 मिनट तक पानी गिरा। तेज हवाओं से पुलिस पेट्रोल पंप के सामने एक पेड़ गिर गया। जिससे रोड जाम हो गया। हालांकि यातायात पुलिस ने लोगों की मदद से पेड़ को सड़क से हटा दिया। मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार को इंदौर, उज्जैन, भोपाल, झाबुआ, अलीराजपुर, धार, बड़वानी, खरगोन, देवास, खंडवा, बुरहानपुर, हरदा, विदिशा, रायसेन, नर्मदापुरम, बैतूल, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा और सिवनी में गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। अगले दिन भी ऐसा ही मौसम रहेगा, लेकिन इसके बाद 2 दिन तक लू का अलर्ट है।

अंतरराष्ट्रीय लेवल क्रॉसिंग अवेयरनेस-डे पर चलाया जनजागरण अभियान

● रेलवे फाटकों पर की सड़क उपयोगकर्ताओं की काउंसलिंग ● नुक्कड़ नाटक के माध्यम से किया जागरुक

अनोखा तीर, भोपाल।

मंडल रेल प्रबंधक देवाशीष त्रिपाठी के मार्गदर्शन में अंतरराष्ट्रीय लेवल क्रॉसिंग अवेयरनेस-डे के अवसर पर भोपाल मंडल में विशेष जनजागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी विजय शंकर गौतम के नेतृत्व में रेल संरक्षा बल, परिचालन, इंजीनियरिंग एवं सिग्नल विभागों के संयुक्त प्रयासों से भोपाल मंडल के लगभग 70 व्यस्ततम समपार फाटकों पर सप्ताहव्यापी जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान सड़क उपयोगकर्ताओं को समपार फाटकों को सुरक्षित पार करने के नियमों की जानकारी दी गई और पंपलेट वितरित किए गए। लगभग 85 समपार फाटकों में से 40 से अधिक अत्यधिक व्यस्त समपार फाटकों को इस अभियान में सम्मिलित किया गया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत खिरकिया स्टेशन पर स्थित समपार फाटक क्र195, समपार फाटक क्र189 तलवडिया-बीड के मध्य, निशातपुरा - संत हिरदाराम नगर के मध्य स्थित फाटक संख्या 114, निशातपुरा - सुखी सेवनिया के मध्य फाटक संख्या 255 और 256 सहित कई अन्य गेटों पर सड़क उपयोगकर्ताओं को पंपलेट वितरित कर, ध्वनि विस्तारक यंत्र के माध्यम से जागरूक किया गया। विशेष रूप से मिसरोद स्टेशन के समीप स्थित समपार फाटक क्र 246 पर भोपाल मंडल की सांस्कृतिक अकादमी के कलाकारों द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से आमजन को समपार फाटक पार करने की सही और सुरक्षित प्रक्रिया के बारे में बताया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल

संरक्षा अधिकारी विजय शंकर गौतम, सहायक मंडल संरक्षा अधिकारी ममलेश यादव सहित सभी संरक्षा सलाहकार उपस्थित रहे।

इस अभियान में प.म. रेल भारत स्काउट एवं गाइड संगठन तथा सांस्कृतिक अकादमी, भोपाल मंडल के सदस्यों द्वारा नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया एवं काउंसलिंग के दौरान न सिर्फ रेल कर्मचारी, बल्कि बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी और सड़क उपयोगकर्ता भी उपस्थित रहे और उन्होंने इस जागरूकता अभियान की सराहना की। रेल प्रशासन आम जनता से अपील करता है कि समपार फाटकों पर फाटक बंद होने की स्थिति में उसे पार करने का प्रयास न करें। ट्रेन की गति अनुमान से अधिक होती है और लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती है।

पंचायतों में नियम विरुद्ध वृक्ष कटाई

जनपद उपाध्यक्ष ने की पंचायत मंत्री से शिकायत

अनोखा तीर, रहटगांव। शनिवार को टिमरनी में दौरें पर आए पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल से टिमरनी जनपद उपाध्यक्ष अनिल वर्मा (लिबर्टी) ने मुलाकात करते हुए एक आवेदन पत्र दिया। जिसमें बताया कि मेरी जनपद पंचायत क्षेत्रान्तर्गत ग्राम पंचायतों में वृक्ष कटाई हेतु आनलाईन प्रक्रिया के माध्यम से पंचायत दर्पण पोर्टल अनुमति लेने का प्रावधान है। लेकिन जानकारी में आया है कि कुछ ग्राम पंचायत सचिव/सरपंच द्वारा मनमाने ढंग से वृक्ष कटाई की अनुमति आफलाइन नियम के विरुद्ध जारी की गई जो शासन को राजस्व की क्षति एवं नियमों की धज्जियां उड़ाते नजर आ रहे है। इस और प्रमुखता से ध्यान देकर जिस ग्राम पंचायतों में मनमाने ढंग से अनुमति दी गई है, उन पर सख्त कार्यवाही की जाए।

सद्भाव के साथ मनाया ईद-उल-अजहा का त्यौहार

अनोखा तीर, रहटगांव। शनिवार को क्षेत्र में ईद-उल-अजहा का त्यौहार सद्भाव के साथ मनाया गया। मस्जिदों में नमाज के बाद सभी ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की बधाई दी। इस दौरान जनप्रतिनिधियों ने भी सभी को ईद पर्व की मुबारकबाद दी। जानकारी के मुताबिक स्थानीय जामा मस्जिद एवं मदरसा वाली मस्जिद में सुबह 8 बजे ईद-उल-अजहा की नमाज अदा की गई। जानकारी के मुताबिक हाफिज महफुज ने बताया कि ईद-उल-अज़हा का त्यौहार पैगम्बर इब्राहीम की याद को दर्शाता है और अपने प्यारे बेटे इस्माइल की कुर्बानी देकर अपने ईमान की परीक्षा को याद करता है। यह त्यौहार मुसलमानों की अल्लाह की इच्छा के प्रति समर्पण की इच्छा को दर्शाता है और त्यौहार के दौरान एक जानवर की कुर्बानी देकर प्रदर्शित करता है। इस त्यौहार के जरिए त्याग, दान और करुणा का संदेश दिया जाता है और समुदाय और दोस्तों के साथ संबंधों को मजबूत किया जाता है। यह त्यौहार लोगों में क्षमाशीलता और जरूरतमंदों की मदद करने को प्रोत्साहित करता है। इस इस्लामी त्योहार के दौरान बकरे और भेड़ की कुर्बानी आमतौर पर तीन भागों में की जाती है, जिसमें से एक हिस्सा परिवार के लिए, दूसरा हिस्सा दोस्तों, पड़ोसियों और रिश्तेदारों के लिए रखा जाता है और बाकी गरीबों को दान कर दिया जाता है।

मंत्री प्रहलाद पटेल को काले झंडे दिखाकर किया विरोध प्रदर्शन

अनोखा तीर, टिमरनी।

आज किसान कांग्रेस द्वारा टिमरनी में ग्रामीण पंचायत विभाग के मंत्री प्रहलाद पटेल का काले झंडे दिखा कर विरोध किया गया। हरदा जिले का किसान अपनी मूंग की उपज समर्थन मूल्य पर खरीदी के लिए सरकार से लम्बे समय से मांग कर रहा है, लेकिन सरकार किसानों की सुध नहीं ले रही है। इसी को लेकर किसान कांग्रेस मंत्री से मिलकर मूंग खरीदी का ज्ञापन देना चाहती थी, लेकिन पुलिस ने पहले ही किसानों को और कांग्रेस कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया। किसान कांग्रेस की मांग है कि मंडियो जो मूंग बिक्री हो रही है वो समर्थन मूल्य से 3 से 4 हजार रूपये प्रति क्विंटल कम पर बिक रही है। किसानों को बड़ा आर्थिक नुकसान हो रहा है। लेकिन सरकार मुक दर्शक बने बैठी है। ये वहीं मंत्री है जिन्होंने 5 मार्च 2025 को एक कार्यक्रम मे जनता को भिखारी कहा था। देश

का किसान देश का अन्नदाता है। देश का भंडारण अनाज पैदा करके भरता है। किसान या जनता भिखारी नहीं उन किसानों के वोट से जनता के वोट की बदौलत ही आप ऐसो आराम कर रहे हैं। अगर समर्थन मूल्य पर खरीदी शुरू नहीं की तो किसान कांग्रेस किसानों के साथ मिल कर गांव गांव में सरकार के पुतले जलाएंगे। कार्यक्रम में विधायक रामकिशोर दोगने, जिला अध्यक्ष ओम पटेल, किसान कांग्रेस जिला अध्यक्ष मोहन बिश्नोई, किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष केदार सिरोही, सुभाष जायसवाल, मनवीर रघुवंशी, राजेश पवार, ब्लाक अध्यक्ष विनोद पटेल, सोनतलाई ब्लाक अध्यक्ष सुरेंद्र बिश्नोई, गंगाराम गुर्जर, जनपद उपाध्यक्ष गौरीशंकर शर्मा, रामदास तोमर सहित सैकड़ो किसान साथी उपस्थित थे।

खालिस्तानी आतंकी पन्नू का दावा कनाडा में पीएम मोदी को घेरेंगे

● निज्जर की हत्या पर जवाब मांगेंगे, कार्नी ने भेजा है जी-7 समिट का न्योता

अमृतसर (एजेंसी)। खालिस्तानी आतंकी और सिख फॉर जस्टिस के चीफ गुरपतवंत सिंह पन्नू ने वीडियो जारी कर दावा किया कि जी 7 समित के दौरान कनाडा में पीएम नरेंद्र मोदी को घेरेंगे। 8 जून 2023 को हुई हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर उनसे जवाब मांगा जाएगा। बता दें कि कनाडा ने अल्बर्टा प्रांत के कनानास्किस में 15 से 17 जून तक होने वाले जी 7 समिट में शामिल होने के लिए पीएम मोदी को न्योता भेजा है। इसके लिए कनाडा के पीएम मार्क कार्नी ने पीएम मोदी को फोन किया। मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर खुद इसकी जानकारी दी थी। वीडियो में पन्नू ने कहा कि कनाडा के पूर्व केंद्रीय बैंक प्रमुख और संभावित प्रधानमंत्री मार्क कार्नी का धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने खालिस्तान समर्थक सिखों को एक ऐतिहासिक अवसर प्रदान किया है। एक दुर्लभ मौका है, जिसमें वे जी 7 देशों और वैश्विक मीडिया के सामने सीधे नरेंद्र मोदी की राजनीति पर हमला कर सकते हैं। पन्नू ने आगे कहा कि नरेंद्र मोदी ने सरी गुरुद्वारा के अध्यक्ष और खालिस्तान जनमत संग्रह के संयोजक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का आदेश जारी किया। मोदी को निज्जर की हत्या के साथ कई अन्य जवाबदेही का सामना करना पड़ेगा।

महाराष्ट्र के बाद अब बीजेपी बिहार चुनाव में भी करेगी मैच फिक्सिंग

राहुल गांधी ने लगाया गंभीर आरोप, कहा- महाराष्ट्र चुनाव चोरी से जीता

भाजपा का हमला, बोली-राहुल की बातें शर्मनाक, ईसी ने भी गलत बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने नवंबर 2024 में हुए महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों को लेकर भाजपा पर सीधा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में 'मैच फिक्सिंग' की गई थी, जिसमें पहले से भाजपा की जीत तय करने की पूरी कोशिश की गई। राहुल गांधी ने शनिवार को लिखे एक लेख में कहा, भाजपा और उसके सहयोगियों ने चुनाव जीतने के लिए 5 स्टेप की प्लानिंग की थी। उन्होंने ये भी कहा कि महाराष्ट्र की तरह की मैच फिक्सिंग अगली बार बिहार में होगी, फिर किसी भी राज्य में जहां भाजपा हारती दिख रही हो। भाजपा ने राहुल गांधी के आरोपों को शर्मनाक बताया है। भाजपा प्रवक्ता तुहिन सिन्हा ने कहा, राहुल फिर से देश की संस्थाओं

को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। चुनाव आयोग ने इन मुद्दों पर पहले भी साफ-साफ जवाब दिया है। राहुल ने कहा, यह समझना मुश्किल नहीं है कि महाराष्ट्र में भाजपा इतनी बौखलाहट में क्यों थी। लेकिन हेराफेरी करना मैच फिक्सिंग जैसा है। जो टीम धोखा देती है वो भले ही जीत जाए, लेकिन इससे संस्थाएं कमजोर होती हैं और जनता का चुनावी नतीजों पर भरोसा खत्म हो जाता है। हर जिम्मेदार भारतीय को इन सबूतों को देखना चाहिए, खुद निर्णय करना चाहिए और सवाल पूछने चाहिए। मैच फिक्स करके हुए चुनाव किसी भी लोकतंत्र के लिए जहर है। मैं किसी छोटे-मोटे चुनावी गड़बड़ी की बात नहीं कर रहा, बल्कि बड़ी धांधलेबाजी की बात कर रहा।

उत्तराखंड में हेलीकॉप्टर की सड़क पर इमरजेंसी लैंडिंग

● पीछे का हिस्सा कार पर गिरा, पायलट समेत 6 यात्री थे सवार

रुद्रप्रयाग (एजेंसी)। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में तकनीकी खराबी के कारण सड़क पर हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग हुई। इस दौरान हेलिकॉप्टर के पीछे का हिस्सा कार पर गिरकर टूट गया। इसमें कार भी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। हेलिकॉप्टर ने

बडासू हेलिपैड से केदारनाथ के लिए उड़ान भरी थी, जिसमें पायलट समेत 6 यात्री सवार थे। हादसे में पायलट को हल्की चोटें आई हैं। इसके अलावा अन्य यात्री सुरक्षित बताए जा रहे हैं। इसके बाद पायलट को नजदीकी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। सीईओ सोनिका ने बताया- क्रिस्टल एविएशन प्राइवेट लिमिटेड का हेलिकॉप्टर सिरसी से उड़ान भरते समय सड़क पर एहतियातन लैंडिंग की।

सामना में छपी राज-उद्धव की फोटो, सुप्रिया ने दी बधाई

महाराष्ट्र में 'ठाकरे ब्रदर्स' के मिलन का बस ऐलान बाकी

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र मे मनसे-शिवसेना यूबीटी के बीच गठबंधन की अटकलों के बीच राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की नेता सुप्रिया सुले ने बड़ा बयान दिया है। सुले ने शनिवार को कहा कि मैं इस फैसले का स्वागत करती हूं। वे एक परिवार हैं और बालासाहेब की विशाल विरासत का हिस्सा हैं।अगर वे एक साथ मिलकर इस विरासत को आगे बढ़ाते हैं, तो यह हमारे लिए खुशी का पल होगा। महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों से पहले ठाकरे ब्रदर्स (उद्धव ठाकरे-राज ठाकरे) के साथ आने की अटकलें लग रही है। शुक्रवार को उद्धव ठाकरे के बयान से महाराष्ट्र का

सियासी पारा चढ़ गया है। उद्धव ठाकरे ने कहा था कि हम कोई मैसेज नहीं देंगे बल्कि सीधे खबर देंगे। उद्धव ठाकरे के बयान के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि दोनों भाई दो दशक बाद एक साथ आने का मन बना चुके हैं। मातोश्री में उद्धव ठाकरे से पूछा गया था कि दोनों भाई कब एक होंगे तो उद्धव ठाकरे ने कहा था जल्द होगा।

यूपी डीजीपी का पद संभालते ही ऐक्शन मोड में राजीव कृष्ण

● पुलिस अधिकारियों को दिए 10 बड़े निर्देश, अब बदलेगी सूरत

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के नवनियुक्त पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने पदभार ग्रहण करते ही अपने इरादे साफ कर दिए हैं। कानून-व्यवस्था और अपराध नियंत्रण को लेकर राजीव कृष्ण ने जरूरी दिशा निर्देश दे दिए हैं। डीजीपी राजीव कृष्ण ने शुक्रवार को प्रदेश भर के पुलिस अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर 10 प्रमुख प्राथमिकताओं के तहत दिशा-निर्देश दिए हैं। बैठक के दौरान राजीव कृष्ण ने स्पष्ट कर दिया कि उनकी प्राथमिकता प्रोफेशनल पुलिसिंग, जनता में विश्वास और अपराध पर जीरो टॉलरेंस होगी। डीजीपी राजीव कृष्ण ने बैठक के दौरान बताया कि पिछले 8 सालों में सीएम योगी की मजबूत इच्छाशक्ति से यूपी ने देश और दुनिया में कानून-व्यवस्था का एक नया मानक स्थापित किया है। अब इसे और आगे ले जाने की जरूरत है। साथ ही कहा कि थाना प्रभारियों की पोस्टिंग सिर्फ मेरिट के आधार पर होनी चाहिए।

● मुर्शिदाबाद हिंसा मामले में पुलिस ने दाखिल की चार्जशीट

इसमें 13 नाम, वक्फ बिल के खिलाफ बंगाल में हुए थे प्रदर्शन

● 113 घर तोड़े गए, दुकानें जलाई गईं, तीन लोगों की गई थी जान

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल पुलिस ने मुर्शिदाबाद के जाफराबाद में अप्रैल में हुई हिंसा में पिता-बेटे के डबल मर्डर मामले में शुक्रवार को 13 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की। राज्य में 11-12 अप्रैल को नए वक्फ बोर्ड कानून के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान भीड़ उग्र हो गई थी। इसके बाद हिंसा भड़क गई थी। इसमें कम से कम तीन लोगों की मौत हुई थी और कई लोग घायल हुए थे। इस हिंसा को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट की तरफ से जांच समिति गठित की गई थी। पिछले महीने समिति ने गंभीर खुलासे किए थे। इसमें कहा गया है कि हिंसा में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के स्थानीय नेता की भूमिका थी। हमलों का नेतृत्व स्थानीय पार्षद महबूब आलम ने किया। रिपोर्ट के अनुसार हिंसा में खासतौर पर हिंदू समुदाय को निशाना बनाया गया। इस दौरान स्थानीय पुलिस पूरी तरह से निष्क्रिय

रही। पीड़ितों ने कई बार पुलिस को कॉल किया, लेकिन कोई मदद नहीं पहुंची। दरअसल, 17 अप्रैल को हाईकोर्ट ने तीन सदस्यीय समिति का गठन किया था। इसमें राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, पश्चिम बंगाल मानवाधिकार आयोग और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के एक-एक सदस्य शामिल थे। पश्चिम बंगाल के गवर्नर सी. वी. आनंद बोस ने 4 मई को मुर्शिदाबाद दंगे पर गृह मंत्रालय को रिपोर्ट सौंपी थी। इसमें कट्टरपंथ और उग्रवाद को पश्चिम बंगाल के लिए बड़ा खतरा बताया था। गवर्नर ने कहा था कि बंगाल को दोहरा खतरा है, खासतौर पर बांग्लादेश से सटे मुर्शिदाबाद और मालदा जिलों में ज्यादा है, क्योंकि यहां हिंदू आबादी अल्पसंख्यक हैं। उन्होंने नॉर्थ दिनाजपुर को भी संवेदनशील जिला बताया था। गवर्नर ने दावा किया था कि मुर्शिदाबाद हिंसा पहले से ही प्लान की गई थी।

बीजापुर में 2 नक्सली ढेर ऑटोमैटिक हथियार बरामद

● नेशनल पार्क में 3 दिनों से सुरक्षा बलों का ऑपरेशन जारी ● अब-तक टॉप कमांडर सुधाकर-भास्कर समेत 4 मारे गए

बीजापुर (एजेंसी)। बीजापुर के नेशनल पार्क में चल रहे ऑपरेशन के तीसरे दिन शनिवार यानी आज 2 और

नक्सली ढेर किए गए हैं। ऑटोमैटिक हथियार भी बरामद किए हैं। पिछले 2 दिनों में इसी ऑपरेशन के दौरान एक करोड़ का इनामी नक्सली सुधाकर और 25 लाख का इनामी भास्कर भी मारा जा चुका है। इस ऑपरेशन में अब तक 2 टॉप कमांडर समेत 4 नक्सली ढेर किए जा चुके हैं। मुठभेड़ अभी भी जारी है। दोनों ओर से गोलीबारी हो रही है। शुक्रवार को सुरक्षाबलों ने 45 लाख रुपए के इनामी नक्सली भास्कर (45 साल) को मार गिराया। दोनों तरफ से भारी गोलीबारी हुई। जवानों ने भास्कर के शव के साथ ही ऑटोमैटिक हथियार भी बरामद किए हैं।

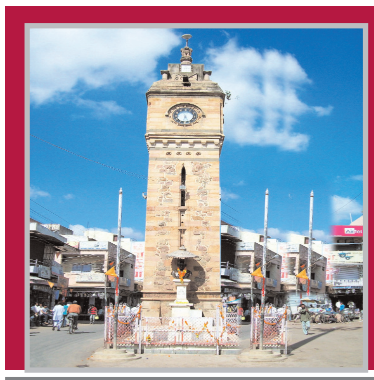

अनोखा तीर 3
हरदा नगर

हरदा, रविवार 8 जून 2025

विश्व पर्यावरण दिवस पर किया पौधरोपण

अनोखा तीर, हरदा। पौधारोपण कार्य महान, एक वृक्ष दस पुत्र समान, उद्देश्य को लेकर, ग्राहक पंचायत हरदा इकाई एवं मां रेवा पर्यावरण क्लब हरदा द्वारा, स्थानीय महात्मा गांधी स्कूल में पौधारोपण किया गया। इस दौरान विभिन्न प्रजाति के ३२ पौधे रौपे गए एवं प्रदूषण हटाओ पर्यावरण बचाओ का संदेश भी दिया गया। ज्ञात हो कि मां रेवा पर्यावरण क्लब द्वारा 10 हजार पौधारोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया था ओर सफलता पूर्वक अब तक यह लक्ष्य पूर्ण किया जा चुका है। पौधारोपण कार्यक्रम में जौहरी कमल सोनी, लक्ष्मी नारायण गौर, मदनलाल सोनी, राजेश सोनी, रितेश भावसार, निशांत राजपूत, मंटू भाई पारे, दीपक शुक्ला शिक्षक, पुरुषोत्तम राठौर शिक्षक, हेमंत मालवीय, आशीष शर्मा, सचिन राजवैद्य एवं स्थानीय बालक प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

ईद-उल-अजहा पर अमन चैन की मांगी दुआ, गले मिलकर दी ईद की मुबारकबाद

अनोखा तीर, हंडिया। हंडिया तहसील में आज ईद-उल-अजहा का त्योहार हर्षोल्लास और भाईचारे के साथ मनाया गया। इस मौके पर सभी मुस्लिम भाईओं ने ईद की नमाज ईदगाह पर अता की। नमाज के बाद सभी ने एक दूसरे के गले मिलकर ईद कि मुबारकबाद दी। हंडिया जामा मस्जिद के सदर रफीक खां ने बताया है कि ईद का त्यौहार हर्षोल्लास और भाईचारा के साथ मनाया जाता है। सभी मुस्लिम धर्मावलंबियों द्वारा जिनमें बच्चे बुर्जुग, युवाओं ने ईदगाह पहुंच कर ईद की नमाज अता की। मस्जिद के हाफिज ने सभी को ईद के इस मौके पर देश की खुशहाली अमन चैन के लिए दुआ मांगी। नमाज के बाद सभी ने ईदगाह पर एक दूसरे के गले मिलकर मुबारकबाद दी तथा गरीबों में खैरात बांटी। नगर के मुस्लिम शेख प्यारू भाई ने बताया कि हंडिया में हिन्दू-मुस्लिम साम्प्रदायिक सौहार्द की मिसाल हैं। उधर सुरक्षा व्यवस्था की बात कि जाए तो पुलिस और राजस्व विभाग के अधिकारियों में हंडिया तहसीलदार वीरेंद्र उइके, आशीष मिश्रा, नायब तहसीलदार अपने स्टाफ के साथ ईदगाह स्थल पर मौजूद थे। सभी ने मुस्लिम भाईयों को ईद के इस अवसर पर इदुल्लजुहा की मुबारकबाद दी।

सार-समाचार

कभी भी बुरे वचनों का प्रयोग न करें : मुनिश्री

अनोखा तीर, हरदा। नगर के चंद्रप्रभु जिनालय में मुनिश्री 108 निर्णय सागर महाराज के सान्निध्य में चल रहे त्रिदिवसीय दिव्य देशना शिविर के दूसरे दिन उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए मुनिश्री ने कहा कि हमारे भावों के अनुसार हमारे कर्म आत्मा में आते है। यदि हमारे भाव अच्छे है तो हमारे पुण्य कर्म का आना होता है और यदि भाव खराब होते है बुरी प्रकृति अच्छे बुरे कर्म उदय में आने के कारण होती है। इसलिए हमें कभी भी बुरे वचनों का प्रयोग नहीं करना चाहिये। ना ही शरीर से बुरी चेष्टा करना चाहिये। जैसे हमारी भारतीय संस्कृति में हाथ जोड़कर के सिर झुका करके लोगों का अभिवादन किया जाता है ओर वचनो से राम - राम, जय राम, जयजिनेन्द्र बोला जाता है। इसमे पुण्य कार्म का उदय होता है। इसके विपरित कोई बेकसूर जीव पर हमला बोलता है। गंदी गालियां देता है तो घोर पाप कर्म का आसव होता है। पुण्यकर्म का फल स्वर्ग, वैकुंठ धाम और अच्छी मनुष्य गति है अच्छा कुल है।

कृषि वैज्ञानिकों ने खेती की आधुनिक तकनीको के बारे में बताया

अनोखा तीर, हरदा। विकसित कृषि संकल्प अभियान अंतर्गत जिले के खिरकिया विकासखण्ड के ग्राम रेहटाकलां एवं बेड़ियाकलां में कृषक जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान भोपाल के वैज्ञानिक

डॉ. गोपाल कारपेंटर ने उन्नत मशीनों जैसे सुपर सीडर, ब्रॉड बेड फरो प्लांटर, रेज्ड बेड प्लांटर, न्यूमेटिक प्लांटर एवं कृषि अवशेष प्रबंधन के लिए ब्री केटिंग एवम पेलेटिंग मशीन के बारे में जानकारी दी। कृषि विज्ञान केंद्र हरदा के वैज्ञानिक डॉ. मुकेश बंकोलिया द्वारा कृषको को खरीफ फसलों की उन्नत तकनीक, उन्नत किस्म, बीज उपचार, खरीफ फसलों में आने वाली समस्याओं का निदान, प्राकृतिक खेती, नरवाई प्रबंधन एवं मृदा स्वास्थ पत्रक के महत्व के बारे में जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में भी अधिकारियों ने जानकारी दी।

खनिज के अवैध परिवहन में शामिल 3 डम्पर जप्त

अनोखा तीर, हरदा। कलेक्टर सिद्धार्थ जैन के निर्देशन में खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के रोकथाम की कार्यवाही लगातार जारी है। जिला खनिज अधिकारी आरपी कमलेश ने बताया कि खनिज विभाग के दल ने गिट्टी के अवैध परिवहन में शामिल 3 डम्पर जप्त किए। खनिज विभाग के दल ने शनिवार को हरदा से नीमगांव रोड पर डंपर नम्बर एमपी 47 जी 0340 द्वारा

गिट्टी का बिना अभिवहन पास परिवहन किया जाना पाया गया, जिसे चालक से जप्त कर थाना सिविल लाइन हरदा में खड़ा किया गया है। इसके साथ ही डम्पर नम्बर आरजे 10 जीए 9913 द्वारा हरदा खंडवा रोड से बम्हनगांव मार्ग पर गिट्टी का अवैध परिवहन किया जाना पाया गया, जिसे चालक से जप्त कर छीपाबड थाना में खड़ा किया गया। इसके अलावा शुक्रवार को छीपाबड से चारुवा मार्ग में ग्राम पड़वा के पास डम्पर नम्बर एमपी 47 जेडएच 4008 की जांच गई, जिसमे गिट्टी परिवहन हेतू अभिवहन पास नही पाया गया, जिसे चालक से जप्त कर थाना छीपाबड में खड़ा किया गया। तीनों वाहनों पर गौण खनिज नियमों के तहत कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी।

बेस बनाने के लिए नाले में मुरम डालकर बंद किया काम

- **10 लाख 60 हजार से होना है पक्का निर्माण**
- **पंचायत बरत रही कोताही, बारिश शुरू होने से रुक सकता है काम**

अनोखा तीर, मसनगांव।

ग्राम में स्कूल के पीछे बहने वाले नाले को पक्का बनाने के लिए जनपद पंचायत के द्वारा 10 लाख 60 हजार की राशि स्वीकृत की गई। राशि आए हुए दो माह बीत चुके हैं परंतु पंचायत की कोताही से निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया। पिछले दिनों जनपद पंचायत के उपाध्यक्ष गौरीशंकर शर्मा, जनपद में विधायक प्रतिनिधि राहुल पटेल, जनपद सदस्य अजय पाटिल के द्वारा भूमिपूजन कर निर्माण कार्य की शुरुआत की थी। इसके बाद पंचायत के द्वारा ठेकेदार के माध्यम से कार्य शुरू करना था लेकिन नाले की जेसीबी से सफाई कर बेस बनाने के लिए मुरूम डालकर छोड़ दिया गया है। जिससे नाल उथला हो गया है निर्माण कार्य शुरू न होने से नाले के दुसरी तरफ रहने वाले लोगो को परेशानी हो रही है। जबकि नल की सफाई के बाद अब तक कार्य शुरू होकर अंतिम दौर में पहुंचना था, लेकिन निर्माण कार्य अटकने से आने वाले समय में बारिश का सीजन लगते ही काम रुक सकता है, जिससे ग्रामीणों को परेशानी हो सकती है। ग्रामीण जितेंद्र नायरे ने बताया कि 200 मीटर नाले का निर्माण पंचायत द्वारा किया जाना था जिसके लिए होली चौक तक नाले की सफाई कर मुरम डालकर बेस बनाने का काम शुरू किया गया, लेकिन पिछले 5 दिनों से कम बंद होने के कारण कार्य आगे नहीं बढ़ सका। 15 जून के आसपास क्षेत्र में मानसून की गतिविधियां शुरू हो जाती हैं, जिससे खेतों का पानी इसी नाले में आकर बहता है। यदि समय पर कार्य शुरू नहीं होता है तो शाम 4 महीने के लिए अटक जाएगा। पंचायत के सचिव नंदलाल बघेल ने बताया कि रेत नहीं मिलने के कारण काम रुका हुआ था। एक-दो दिन में लोहा बांधने काम शुरू हो जाएगा। बारिश के पहले नाले का निर्माण पूरा किया जाएगा।

निःस्वार्थ समर्पण ही असली मित्रता है - पंडित आंनद कृष्ण

अनोखा तीर, इंदौर। आल इंडिया क्राईम रिफोम्स आग्रेनाईजेशन दिल्ली के तत्वावधान में इन्दौर के मल्हारी मार्तंड मंदिर में चल रही संगीतमय सात दिवसीय श्री मदभागवत कथा के समापन पर सुदामा चरित्र व परीक्षित मोक्ष की कथा सुनाई गई। कथावाचक पंडित आंनद कृष्ण शास्त्री ने कहा कि सुदामा चरित्र

से हमें जीवन में आई कठिनाइयों का सामना करने की सीख मिलती है। निस्वार्थ समर्पण ही असली मित्रता है। सुदामा की भक्ति व मित्रता दोनों स्वार्थहीन है। वह मित्रता के कारण मिलते हैं। इस चरित्र में मित्रता भक्ति और ईश्वर के प्रति समर्पण भावना से स्नेह का यह रिश्ता विश्वास का हो गया है। तभी तो द्वारकाधीश नंगे पैर भागते हुए अपने मित्र को गले से लगाया था। कथा के दौरान राजा परीक्षित मोक्ष व भगवान सुखदेव जी की विदाई का वर्णन भी किया गया। इस कार्यक्रम आईक्रो टीम मध्यप्रदेश के अध्यक्ष गिरीश जोरे व मंजु पांचाल, सुजीत गहलोत आदि ने अपने परिवार सहित व्यासपीठ का पूजन किया। इस अवसर पर आईक्रो टीम इन्दौर को शील्ड व पुष्पहार से सम्मान किया गया। जिसमें मंजू पंचाल व मोहित जोरे, अमित दंडागे, योगेश मिसात, प्रकाश श्रीवास्तव, गोलू गढ़वाल, संदीप पाचारने, सुजीत गहलोत, मनीष बोरासी, संगीता मौर्य, अनिता वर्मा, शुभम गुप्ता गोरव मौर्य, मधु सुनील कानुडे उपस्थित थे। कथा के समापन पर महाप्रसादी सभी भक्तजनों ने ग्रहण की कथा वाचक पंडित आंनद शास्त्री ने स्वतंत्र लेखक हरिहर सिंह चौहान का सम्मान भी किया।

ट्रक और बाईक की टक्कर, युवक की मौत

अनोखा तीर, सोडलपुर। नेशनल हाईवे 47 सोडलपुर-बहरागांव के बीच शनिवार दोपहर 1 बजे ट्रक और बाईक की भिड़ंत में युवक की मौत हो गई। गांव के माली मोहल्ला निवासी महेश सोलंकी का शनिवार दोपहर 1 बजे बहरागांव- सोडलपुर के बीच ट्रक और मोटरसाइकिल की टक्कर होने से गंभीर चोट आई थी, जिसे तत्काल उपचार के लिए हरदा ले जाया गया, जहां से डॉक्टर ने भोपाल के लिए रेफर किया।

सरस्वती शिशु मंदिर का उद्देश्य पर्यावरण मुक्त गांव बनाना : प्रहलाद सिंह

-नवीन आचार्य शिक्षण वर्ग का हो रहा है आयोजन

अनोखा तीर, भोपाल। ग्राम भारती शिक्षा समिति मध्य भारत प्रांत से संबद्ध ग्राम भारती शिक्षा समिति जिला ग्वालियर, भिंड, मुरैना, दतिया जिले के नव चयनित आचार्य- दीदियों का सात दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किया जा रहा है। वर्ग संयोजक, दतिया जिला प्रमुख एवं प्रांत पर्यावरण संयोजक राजेन्द्र सिंह ठाकुर ने बताया कि नवीन आचार्य शिक्षण वर्ग सरस्वती शिशु मंदिर संस्कार धाम टप्पा तहसील मुरार ग्वालियर में आयोजित हो रहा है। वर्ग को संबोधित करते हुए वर्ग संरक्षक, ग्वालियर के जिला अध्यक्ष एवं प्रांत पर्यावरण प्रभारी प्रहलाद सिंह घुरैया ने कहा कि आप सभी आचार्य दीदी यहां प्रशिक्षण लेने आए हैं यहां से सीखकर अपने गांव को स्वच्छ एवं स्वावलंबी बनाने में सहयोग करें। पौधारोपण कर गांव को हरा-भरा बनाएं। पानी का सदुपयोग करें। बरसात के पानी का संचय करें। अपने गांव को पन्नी मुक्त बनाएं। पर्यावरण युक्त गांव बनाना सरस्वती शिशु मन्दिर का मुख्य उद्देश्य है। पंजाबी साहित्य परिषद की पूर्व संयोजक, एवं ग्वालियर की उपाध्यक्ष, सामाजिक कार्यकर्ता नीरु ज्ञानी ने अपने उद्बोधन में कहा कि बेटी को पढ़ाएं। आज बेटियां हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने बालिका शिक्षा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर विस्तार से जानकारी दी और चर्चा की। नवीन आचार्य वर्ग की भूमिका वर्ग संयोजक ने रखी। अतिथि परिचय ग्वालियर जिला प्रमुख एवं वर्ग महाप्रबंधक होकम सिंह राजपूत ने कराया। अतिथि स्वागत अंतरसिंह किरार एवं अनुराग सिंह परिहार ने किया। सत्र का संचालन संकुल प्रमुख संजय सिंह रावत ने किया। इस वर्ग में ग्वालियर विभाग के नव चयनित आचार्य-दीदी सहभागी हुए। उक्त जानकारी प्रचार प्रमुख सोनू बघेल ने दी।

हुई नमाज

अनोखा तीर, मसनगांव। कुर्बानी का त्यौहार ईद उल अजहा पर मुस्लिम धर्मालंबियों के द्वारा स्थानीय मस्जिद मे विशेष नमाज अता कर अमन शांति की दुआ मांगी गई।

हेल्प लाईन नंबर

सीएम हेल्प लाईन	181
पुलिस	100
फायर बिग्रेड	101
एम्बुलेन्स	108
चाईल्ड हेल्प लाईन	1098
किसान कॉल सेंटर	18001801551
विद्युत शिकायत	18002331912
विद्युत सेवा	1912
पशु सेवा	1962
पुलिस सेवा	112-100
अग्नि सेवा	101
एम्बुलेन्स सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाईल्ड लाईन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सीएम सहायता लाईन	1076
क्राईम सटायर	1090
महिला सहायता	1091
पृथ्वी भूकंप	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान कॉल सेंटर	1098
नागरिक कॉल सेंटर	155300

सिनर्जी संस्थान ने आयोजित की स्टेक होल्डर्स बैठक

युवा विकास की 19 वर्षों की यात्रा पर हुआ संवाद

अनोखा तीर, हरदा।

युवा सशक्तिकरण और समुदाय-आधारित विकास के क्षेत्र में गत 19 वर्षों से कार्यरत सिनर्जी संस्थान द्वारा स्थानीय होटल में एक विशेष स्टेकहोल्डर्स बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक का उद्देश्य संस्था की अब तक की यात्रा, अनुभवों, साझेदारियों और प्रभाव को साझा करते हुए भावी दिशा पर संवाद करना था। बैठक में संस्था की टीम, विभागीय अधिकारी, शिक्षक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं समुदाय प्रतिनिधियों सहित 55 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। बैठक की शुरुआत पारंपरिक स्वागत और आत्मीय परिचय सत्र से हुई, जिसमें प्रतिभागियों ने अपने जीवन अनुभवों और युवावस्था की चुनौतियों को साझा किया। शिक्षिका सीमा निराला ने कहा, मेरे पिता के मार्गदर्शन से मैंने एसआई की परीक्षा पास की, पर मेरा सपना डीएसपी बनने का था। मैं सभी बेटियों से कहना चाहती हूं कि वे बड़े सपने देखें और उन्हें पूरा करने का साहस रखें। शिक्षक बिलिया जी ने बताया कि फुटबॉल ने उन्हें जीवन में दिशा दी और आज वे बच्चों को प्रेरित करते हैं कि वे अपनी प्रतिभा को पहचानें। महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रीति शर्मा ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि हिंदी माध्यम से पढ़कर इंग्लिश मीडियम की चुनौतियों को पार करते हुए उन्होंने गोल्ड मेडल प्राप्त किया। उन्होंने कहा, हर युवा को ऐसा स्पेस मिलना चाहिए, जो उसे आगे बढ़ने का अवसर दे। बैठक में गैलरी वॉक और एक लघु फिल्म के माध्यम से सिनर्जी संस्थान के विगत वर्षों में किए गए कार्यों, अभियानों, प्रशिक्षणों और युवाओं की प्रेरणादायक कहानियों को प्रस्तुत किया गया। इन प्रस्तुतियों ने प्रतिभागियों को संस्था के कार्य से गहराई से जोड़ा। विचार-विमर्श सत्र में युवाओं के समक्ष मौजूद समकालीन चुनौतियां, व्यवहारिक बदलाव की प्रक्रिया और समुदाय की भागीदारी जैसे मुद्दों पर गंभीर चर्चा हुई। प्रतिभागियों ने इस बात पर बल दिया कि युवा केंद्रित विकास की दिशा में सफलता तभी संभव है जब संस्था, समुदाय और शासन-प्रशासन मिलकर साझेदारी में कार्य करें। इस बैठक में विभिन्न विभागों, शैक्षणिक संस्थानों और स्थानीय समुदाय की सक्रिय उपस्थिति यह दर्शाती है कि यदि सभी हितधारक मिलकर कार्य करें, तो युवाओं के जीवन में स्थायी और सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। अंत में सिनर्जी संस्थान की टीम ने सभी प्रतिभागियों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि इस प्रकार की चर्चाएं और साझेदारी ही आने वाले समय में युवा नेतृत्व और सामाजिक परिवर्तन की मजबूत नींव रखती हैं।

विधायक दोगने के प्रयासों से हरदा जिले के 25 भवनविहिन ग्राम पंचायतों के भवन स्वीकृत

अनोखा तीर, हरदा। हरदा विधायक डॉ. रामकिशोर दोगने द्वारा म.प्र. विधानसभा के बजट सत्र 2025-26 के दौरान विधानसभा सदन में सरकार से एवं पंचायत मंत्री को भी पत्र प्रेषित कर हरदा जिले की 28 भवनविहिन व जर्जर ग्राम पंचायतों बरखेड़ी, गुठानिया, कांकरिया, जामली दमामी, नीलगढ दमामी, कचबैड़ी, पलासनेर, सोनखेड़ी, नीमागांव, कोलीपुरा, धनगांव, हनीफाबाद, कड़ोला उबारी, पीड़गांव, कमताड़ा, डगावानीमा, बड़नगर, खमलाय, सारंगपुर, ढोलगांव, डेहरिया, अहलवाड़ा, बाजनिया, पाढरमाटी, गोंदागांवकलां, बरकलां, गाडामोडखुर्द, सन्यासा के नवीन भवन निर्माण कार्य स्वीकृत कराये जाने की मांग की गई थी। शासन द्वारा हरदा विधायक डॉ. दोगने की मांग अनुसार हरदा जिले की उक्त ग्राम पंचायतों में से 25 ग्राम पंचायतों के भवन निर्माण कार्य के लिए 937.50 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। प्रत्येक ग्राम पंचायत के भवन निर्माण के लिए 37.50 लाख रुपये की राशि व्यय की जाएगी। स्वीकृत उक्त ग्राम पंचायत भवनों का निर्माण कार्य अतिशीघ्र शुरू कर दिया जाएगा। इसके पूर्व भी हरदा विधायक डॉ. दोगने द्वारा हरदा जिले की 6 भवन विहिन ग्राम पंचायत भवरदीमाल, खेड़ीमाल, लोनी, नीमसराय, नीमखेड़ामाल, जूनापानी भवरदी प्रत्येक ग्राम पंचायत के भवन निर्माण कार्य के लिए 37.49 लाख रूपये की राशि स्वीकृत कराई गई थी। जिनका कार्य प्रगति पर है। हरदा जिले को मिली सौगात के लिए जिला कांग्रेस अध्यक्ष ओम पटेल, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण पंवार, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष हेमंत टाले, सुरेन्द्र जैन, वरिष्ठ कांग्रेस नेता लखन सिंह मौर्य, हिरालाल पटेल, सुभाष पटेल, रामदीन पटेल, आत्माराम पटेल, अरुण जायसवाल, भूपेश पटेल, शंकरसिंह सोलंकी, दशरथ पटेल, महेश पटेल, गोविन्द व्यास, सुरेंद्र विश्नोई, संजय भायरे, गौरीशंकर शर्मा, राजेश पटेल, भागीरथ पटेल, राहुल पटेल, दीपक सारन, अमर रोचलानी, अनिल सूरमा, सुनिल विश्नोई, राकेश सूरमा, संजय बिजगावने, आमिर पटेल, आनंद पटेल, राहुल जायसवाल, योगेश चौहान, सहित समस्त जिलेवासियो व कांग्रेसजनों द्वारा आभार व्यक्त किया गया है।

संपादकीय

रेपो रेट में कटौती से बढ़ेगी रफ्तार या बनी रहेगी सुस्ती?

कर्ज सस्ता या महंगा होने का हिसाब इसी पर टिका होता है और इसका सीधा और पहला असर उन उपभोक्ताओं पर पड़ता है, जिन्होंने घर, वाहन, अन्य सामान या फिर शिक्षा जैसी जरूरतों के लिए बैंकों से ऋण लिया होता है।

पिछले दिनों अर्थव्यवस्था के लिहाज से सकारात्मक खबरों के बीच अब भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआइ की ओर से नीतिगत दरों में कमी से यही संकेत उभरता है कि महंगाई अब नियंत्रण में है और आर्थिक मोर्चे पर खड़ी चुनौतियों से पार पाने में देश आगे की राह पर है। आरबीआइ ने शुक्रवार को प्रमुख नीतिगत दर यानी रेपो दर में 0.5 फीसद की कमी करके उसे 5.5 फीसद कर दिया। इसे उम्मीद से ज्यादा की कमी माना जा रहा है। इसके अलावा, एक चौंकाने वाले फैसले के तहत आरबीआइ ने बैंकों के लिए भी नकद आरक्षित अनुपात यानी सीआरआर में भी एक फीसद की कटौती की घोषणा की। यह लगातार तीसरी बार है, जब केंद्रीय बैंक ने रेपो दर में कटौती की है। इससे पहले आरबीआइ ने इसी वर्ष फरवरी और अप्रैल में पच्चीस आधार अंकों की कटौती की थी। जाहिर है, यह न केवल देश के भीतर आर्थिक उतार-चढ़ाव से निपटने की कोशिश है, बल्कि फिलहाल दुनिया भर में जैसी चुनौतियां खड़ी हो रही हैं, उसमें इन उपायों से अर्थव्यवस्था को संभालने में भी मदद मिलेगी।

रेपो दरों में कमी को मुख्य रूप से ऋण के लिहाज से सुविधाजनक माना जाता रहा है

दरअसल, रेपो दरों में कमी को मुख्य रूप से ऋण के लिहाज से सुविधाजनक माना जाता रहा है। कर्ज सस्ता या महंगा होने का हिसाब इसी पर टिका होता है और इसका सीधा और पहला असर

उन उपभोक्ताओं पर पड़ता है, जिन्होंने घर, वाहन, अन्य सामान या फिर शिक्षा जैसी जरूरतों के लिए बैंकों से ऋण लिया होता है या फिर वे लोग, जो इस बात का इंतजार करते हैं कि रिजर्व बैंक की ओर से कब नीतिगत दरों में कमी की जाए और कर्ज सस्ता होने के बाद वे कुछ खरीदने या निवेश करने की योजना बनाएं। गौरतलब है कि रिजर्व बैंक की नीतिगत दरों के अनुरूप ही व्यावसायिक बैंक उपभोक्ताओं को दिए जाने वाले ऋण और अन्य सावधि जमा के मद में ब्याज की दरें निर्धारित करते हैं। इसलिए उम्मीद है कि रेपो दरों में कमी के बाद व्यावसायिक बैंक भी कर्ज की दरें घटाएंगे। इसके बाद स्वाभाविक रूप से कर्ज सस्ता होगा और मासिक किस्तों में कमी की वजह से बैंकों से ऋण लेने वाले उपभोक्ताओं की मांग बढ़ सकती है।

साथ ही, पिछले कुछ समय से वाहन बाजार और खासतौर पर जमीन-जायदाद के कारोबार में जिस तरह की मंदी की आशंका जताई जा रही थी, नीतिगत दरों में कटौती के बाद उसमें सुधार आने की उम्मीद की जा सकती है। इस लिहाज से देखें तो रिजर्व बैंक की ओर से नीतिगत दरों में बड़ी कमी की जो घोषणा की है, वह एक तरह से अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने की दिशा में एक अहम कदम है। मगर जरूरत इस बात की है कि इस तरह के फैसले सिर्फ घोषणाओं और अर्थव्यवस्था के जटिल गणित तक ही न सिमटे रहें। इसका असर जब तक जमीन पर नहीं दिखेगा, आम लोगों को इसका सीधा फायदा नहीं मिलेगा, वे अपनी जरूरत के लिए घर या कोई अन्य चीज की खरीदारी को लेकर सहज और निर्द्वंद्व नहीं होंगे, तब तक इस तरह के फैसले अर्थव्यवस्था की चुनौतियों को दूर करने में सहायक साबित नहीं हो सकते। महंगाई से राहत और क्रय शक्ति की सीमा में खरीदारी में सहजता से यह तय होगा कि रेपो दरों में कमी का लाभ आम लोगों तक कितना पहुंच पाता है।

अकेलापन, जीवन और अंतिम पड़ाव

— डॉ. मुस्ताक अहमद शाह, हरदा, म.प्र.

यह एक कटु सत्य है कि एक इंसान पूरी ज़िंदगी अपने परिवार, बच्चों और अपनों के लिए संघर्ष करता है, त्याग करता है, सपनों को कुचलता है। वह अपने अरमानों की कीमत पर दूसरों की खुशियाँ बुनता है। लेकिन जीवन के अंतिम पड़ाव पर वही इंसान कई बार अकेला रह जाता है — न सर पर हाथ रखने वाला कोई होता है, न उसके त्याग को समझने वाली कोई आँख।

वास्तविकता यही है कि बहुत बार, जिनके लिए हम सबसे अधिक जीते हैं, वे ही हमारे अस्तित्व को अंत में नज़रअंदाज़ कर देते हैं। वह न केवल दुख देता है, बल्कि भीतर तक तोड़ देता है। जब मेहनत का फल और अपनापन — दोनों ही छिन जाएं, तो जीवन के शेष क्षण केवल गूंगी दीवारों से बातें करने भर रह जाते हैं।

वास्तविकता यही है कि बहुत बार, जिनके लिए हम सबसे अधिक जीते हैं, वे ही हमारे अस्तित्व को अंत में नज़रअंदाज़ कर देते हैं। वह न केवल दुख देता है, बल्कि भीतर तक तोड़ देता है।

यह दर्द केवल किसी एक व्यक्ति का नहीं है — यह लाखों उन लोगों की आवाज़ है जो बुज़ुर्ग होते ही 'गैर' हो जाते हैं। जो मन ही मन चीखते हैं, लेकिन कह नहीं पाते। जिन्हें अपने ही घर में पराया बना दिया जाता है। वे न हारते हैं, न लड़ते हैं — बस ख़ामोशी से सहते हैं।

इस दर्द की परतों में छिपे हैं कई कारण:

अप्रशंसा- जब जीवनभर की मेहनत को परिवार मान्यता नहीं देता, तो व्यक्ति को लगता है उसकी पूरी यात्रा व्यर्थ चली गई।

अकेलापन

उम्र के अंतिम मोड़ पर जब कोई भावनाएं सुनने वाला न हो, तब सबसे ज्यादा अकेलापन चुभता है।

निराशा

जब सपने टूटते हैं, और किसी को फर्क नहीं पड़ता — तब व्यक्ति आत्मा से हारने लगता है।

समाधान की दिशा:

संवाद करें- अपने परिवार, बच्चों से खुलकर बातें करें। अपनी भावनाएं, अपेक्षाएं स्पष्ट रूप से रखें।

भावनात्मक जुड़ाव- केवल साथ रहना नहीं, बल्कि भावनात्मक रूप से भी परिवार के करीब रहें। उनके जीवन में भी भागीदारी निभाएं।

स्वस्थ रहें- मानसिक और शारीरिक सेहत पर ध्यान दें। अच्छा स्वास्थ्य, अच्छे विचार और सशक्त आत्मा — अकेलेपन की सबसे बड़ी ढाल हैं।

स्वीकृति और आत्म-संवाद- यदि कोई नहीं समझता, तो खुद को समझें। खुद से प्रेम करें। यह भी जरूरी है कि आत्मसम्मान को किसी की मान्यता से न जोड़ें।

आज ज़रूरत इस बात की है कि समाज इस दर्द को देखे, समझे और बुज़ुर्गों को केवल अतीत का हिस्सा नहीं, वर्तमान की गरिमा समझे।

क्योंकि जो पेड़ छांव देता है, वह गिरने पर भी नींव को मज़बूत करता है।

आजादी की ओर बढ़ता बलूचिस्तान

मानवाधिकार कार्यकर्ता कदीरोच कदारी ने एक-एक व्यक्ति का परिचय देते हुए लिखा था कि लापता बलूच पाकिस्तानी सेना के हाथों मारे जा चुके हैं। उन्होंने आगे बताया कि पंजाब के बड़े सेना अधिकारियों का बलूच सैनिकों से भरोसा उठ चुका है। पिछले पांच वर्षों में सबसे कम भर्ती बलूच सेनाओं में गई है। भय के वातावरण के कारण उन्हें बलूचिस्तान में तैनात नहीं किया जा रहा है। पाकिस्तानी सेना को भय सता रहा है कि कहीं वह बलूच लोगों से मिलकर कोई बड़ा विरोध न कर दें। पिछले दिनों कनैडा में बलूचों के उदारवादी एवं थिंकटैक की बैठक में इंटरनैशनल फोरन फार ह्यूमन राइट्स एवं सुरक्षा एजेंसियों ने जो सीक्रेट्स जनता के सामने प्रस्तुत किए उससे पाकिस्तानी सेना का जल्लाद चेहरा सामने आया है। उन्होंने कहा कि हजारों नौजवानों की हत्या करके उन्हें बलूचिस्तान के पहाड़ी कब्रिस्तान में दफना दिया है।

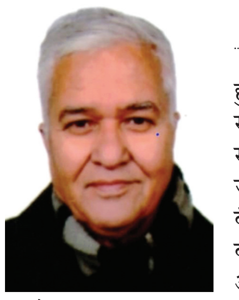

-सुभाष आनंद

हुसैनी वाला के पार से प्राप्त सूचनाओं के अनुसार इस समय बलूचिस्तान ज्वालामुखी के मुहाने पर बैठा है। पिछले दिनों बलूच विद्रोहियों ने ट्रेन का अपहरण और फिर फौजी सैनिकों पर बड़ा हमला करके पाकिस्तानी फौज को जो चोट पहुंचाई है उससे न केवल पाकिस्तान बल्कि पूरा विश्व हिल गया है। बलूच लोगों का कहना है कि पंजाबी पाकिस्तान फौज जल्लादों की फौज है वह पाकिस्तान में सबसे बड़े आतंकवादी हैं। मौलाना ने चेतावनी दी है कि पाकिस्तान में जैसे हालात बनते जा रहे हैं उससे शीघ्र ही पाकिस्तान के चार टुकड़े हो जाएंगे। विश्व की 12वीं बड़ी सेना बलूचियो के हाथों जलील हो रही है। बलूच लोगों का कहना है कि यदि हमारे मौलिक अधिकारों को छीना गया तो हम बंदूक उठाने पर मजबूर हो जाएंगे। पिछले दिनों डान में पाकिस्तानी पत्रकार दिशा हैदर का लेख प्रकाशित हुआ जिसमें उन्होंने कहा कि लापता बलूच लोगों की बड़े पैमाने पर हत्याएं की जा रही हैं। मानवाधिकार कार्यकर्ता कदीरोच कदारी ने एक-एक व्यक्ति का परिचय देते हुए लिखा था कि लापता बलूच पाकिस्तानी सेना के हाथों मारे जा चुके हैं। उन्होंने आगे बताया कि पंजाब के बड़े सेना अधिकारियों का बलूच सैनिकों से भरोसा उठ चुका है। पिछले पांच वर्षों में सबसे कम भर्ती बलूच सेनाओं में गई है। भय के वातावरण के कारण उन्हें बलूचिस्तान में तैनात नहीं किया जा रहा है। पाकिस्तानी सेना को भय सता रहा है कि कहीं वह बलूच लोगों से मिलकर कोई बड़ा विरोध न कर दें। पिछले दिनों कनैडा में बलूचों के उदारवादी एवं थिंकटैक की बैठक में इंटरनैशनल फोरन फार ह्यूमन राइट्स एवं सुरक्षा एजेंसियों ने जो सीक्रेट्स जनता के सामने प्रस्तुत किए उससे पाकिस्तानी सेना का जल्लाद चेहरा सामने आया है। उन्होंने कहा कि हजारों नौजवानों की हत्या करके उन्हें बलूचिस्तान के पहाड़ी कब्रिस्तान में दफना दिया है। जिसका पता पिछले दिनों मिले कंकालों से चला है।

आखिर अत्याचार की भी कोई हद होती है जब अत्याचार हद से पार कर जाता है जब आजादी का जन्म होता है। किसी भी आंदोलन को बंदूक से दबाया नहीं जाता आखिर बातचीत ही हर समस्या का अंतिम रास्ता है। पाकिस्तान के सेवानिवृत्त अधिकारी जमीर जमाल अहमद का कहना है कि बलूचिस्तान में हमारे सैनिकों की आत्माएं मर चुकी हैं, जिंदा बलूचों को

मारा जा रहा है। अत्याचारों की हद हो रही है। महिलाओं के साथ बड़े अधिकारी क्रूर व्यवहार कर रहे हैं। रात को चीखों की आवाजें दूर-दूर तक जाती हैं। पाकिस्तानी फौज पर नशे में चूर होकर बलूच लोगों पर जबरन गायब करने और उन्हें आतंकित करने के आरोप बलूचिस्तान के लोग लगातार लगा रहे हैं। अमेरिका के व्हाइट हाऊस के सैनेटर ने कहा कि जिस प्रकार बलूचिस्तान में नौजवानों का नरसंहार किया जा रहा है उसको लेकर ट्रंप सरकार को यह समस्या पाकिस्तानी सेना और सरकार के सामने उठाना चाहिए। कनैडा सरकार, जर्मनी सरकार, इटली सरकार, के साथ-साथ सऊदी अरब में भी बलूचिस्तान को पूरा समर्थन मिल रहा है। पिछले दिनों पाकिस्तान के कराची में 20 हजार से ज्यादा लोगों ने शक्ति प्रदर्शन किया जिसमें सबसे अधिक छात्र वर्ग शामिल था। लेकिन इस बार बुद्धिजीवी पत्रकार, उदारवादी, राजनीतिक कार्यकर्ता, शिक्षित वर्ग और महिला कार्यकर्ताओं ने भी अधिक संख्या में शामिल होकर सिद्ध कर दिया है कि बलूचिस्तान में आजादी की शमा बहाल हो चुकी है अब बलूचिस्तान पर और अत्याचार सहन नहीं होने देंगे। पाकिस्तान की गुप्तचर एजेंसी आईएसआई ने पिछले 20 वर्षों में हजारों लोगों का अपहरण करके जेल में बंद किया है। ऐसा माना जाता है कि अभी भी कई बलूच नौजवान पाकिस्तान के यातना कक्षों में बंद हैं। लोगों के घरों पर छापे मारे जा रहे हैं कई लोगों के घरों को जला दिया गया है। एक उर्दू समाचार पत्र के पत्रकार इब्राहिम इलाही ने कहा कि पाकिस्तानी सुरक्षा बल बेशर्मी की सभी हदें पार करके अपने ही देश पर अत्याचार ढा रहे हैं। जिस प्रकार बलूच विद्रोहियों ने सेना पर हमले किए है उससे पाकिस्तानी सैनिकों के हौसले पस्त होते जा रहे हैं। जिस प्रकार 1971 में भक्ति ब्राह्मणी ने बांग्ला देश को आजाद कराया था उसी तरह आज बलूचिस्तान को आजाद कराने में महिलाएं भी जेल जा रही है और कई महिलाएं आंदोलन का नेतृत्व कर रही हैं। लापता लोगों को मारने के विरुद्ध बलूचिस्तान में बड़े-बड़े आंदोलन हो रहे हैं। वायस ऑफ बलूच मिसिंग परसन नामक संगठन का गठन किया गया है, पाकिस्तान के बलूची लोग वर्षों से संघर्ष पर बैठे हुए हैं। छात्र पाकिस्तानी सेना के अपहरण का मुख्य केंद्र बने हुए हैं। पाकिस्तान में पत्रकारों पर हमले और धमकियां देने की वारदातों में 60 प्रतिशत वृद्धि हुई है। 2024 में 160 मामले दर्ज किए इससे ज्यादा रफा-दफा कर दिए। बलूचिस्तान में रेल अपहरण और सेना पर हुए हमलों की खबरों को तो दबा ही दिया गया। पाकिस्तान पत्रकारों के लिए भी नर्क बनता जा रहा है। वहां वातावरण खतरनाक और हिंसक होता जा रहा है। बलूचिस्तान में पाकिस्तान सेना का कब्जा होने के पश्चात 76 स्कूल बंद हो चुके हैं। बलूचिस्तान मूवमेंट ने पाकिस्तानी सरकार पर आरोप लगाया है कि बलूचिस्तान में बच्चों को शिक्षा से दूर रखने के लिए 76 स्कूलों को बंद कर दिया है और वहां पर सेना ने कब्जा किया हुआ है। जिसके कारण बच्चों की शिक्षा प्रभावित हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि स्कूलों को बंद करके सैनिक चौकियों में बदल दिया गया है। सीमा पार से मिली खबरों के अनुसार तहसील मशकाई में 13 स्कूलों को आदेश दिए गए हैं कि वह स्कूल की इमारतें तुरंत खाली कर दें। अवारन के 63 स्कूल बिल्कुल बंद पड़े हैं। बच्चे और टीचर स्कूलों में नहीं आ रहे हैं इन दोनों तहसीलों में बच्चों को शिक्षा देने का मौलिक अधिकार लगभग छीन लिया गया है। शिक्षा मानव का मौलिक अधिकार है इसको छीनने से क्षेत्र का आर्थिक और सामाजिक विकास प्रभावित होता है। शिक्षा संस्थानों पर फौजियों द्वारा कब्जा करना बुनियादी अधिकारों का हनन करना है इसके लिए अंतराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान की बहुत निंदा की जा रही है। पाकिस्तान के इस्लामिक गुरु और सांसद मौलाना फजलुर रहमान ने पाकिस्तान को 1971 की याद पुनः दिलाई जब पूर्वी पाकिस्तान टूटकर बंगला देश बन गया था। मौलाना फजलुर रहमान ने दावा किया है कि बलूचिस्तान के 5 से 7 जिले टूटकर स्वतंत्र बलूचिस्तान बनाने की घोषणा कर सकते हैं उन्होंने भारत-पाक युद्ध का वर्णन करते हुए चेतावनी दी कि ऐसी स्थिति एक बार पुनः बन सकती है। यदि बलूचिस्तान के जिले स्वतंत्रता की घोषणा करते हैं तो यू.एन उन्हें स्वतंत्र होने की मान्यता दे सकता है क्योंकि इस समय पूरा पाकिस्तान आतंकवाद की ज्वाला में भड़क रहा है यह क्षेत्र शिया-सुन्नी का क्षेत्र भी रहा है। बलूचिस्तान पहाड़ी इलाका है जो अफगानिस्तान की सीमा से लगा हुआ है।

चिट्ठीयों का अतीत...

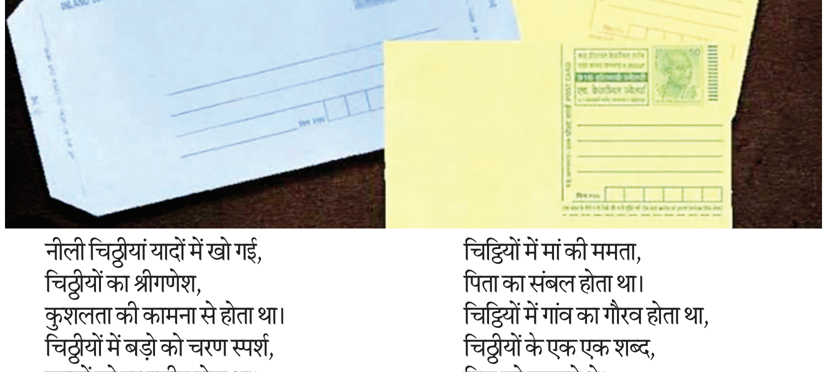

नीली चिट्ठीयां यादों में खो गई,
चिट्ठीयों का श्रीगणेश,
कुशलता की कामना से होता था।
चिट्ठीयों में बड़ो को चरण स्पर्श,
बच्चों को शुभाशीष होता था।
चिट्ठीयों का लिखने का,
एक सलीका होता था।
चिट्ठी के मध्य भाग में,
मां के तबियत का हाल होता था,
नन्हे बालक के जन्म का संदेशा होता था।
फसलों का हालचाल होता था,
पेसे भेजने का अनुनय विनय होता था,
इन चिट्ठियों का बेसब्री से इंतजार होता था।
नव विवाहिता दौड़कर,
चिट्ठी को सीने से लगाती थी।
अकेले में आंसू बहाती थी,
चिट्ठियों में मां की ममता,
पिता का संबल होता था।
चिट्ठियों में गांव का गौरव होता था,
चिट्ठीयों के एक एक शब्द,
दिल को छू जाते थे।
निरक्षर भी चिट्ठीयों अहसासों पढ़ लेते थे,
अब तो मोबोईल के स्कीन पर,
अंगूठा दोड़ता है।
चिट्ठीयों की यादे दिल को तोड़ती है,
काश मोबाईल का स्पेस भरा जाए,
पांच मिनट में डिलिट हो जाता है।
अब तो मोबाइल पर सब कुछ सिमट गया,
जेसे मकान महलों में तब्दील हो गए,
दिल के जस्बात मैसेजों में सिमट गए।

-गोविन्द सूचिक अदनासा
जिला -हरदा

पिता - गुरु भी, गौरव भी

पिता गुरु भी हैं, गुरूर भी पिता ही हैं...

पिताजी अक्सर कहा करते हैं–
कामयाब बनने से पहले अच्छा इंसान बनो।
पैसा रहे या न रहे, लेकिन नाम ऐसा होना चाहिए
जो लोगों के दिलों में रहे।
बेटा, हमेशा ईमानदार रहना, सदाचारी रहना।
किसी को दुख देकर कमाया गया धन क्षणिक
सुख दे सकता है,
लेकिन मेहनत, ईमानदारी और सत्य से कमाया
गया धन आत्मा को शांति देता है।

पिताजी कहते हैं–
हमने जो कुछ भी कमाया है, वो आत्मसम्मान के
लिए पर्याप्त है,
और वही हमें समाज की नजर में भी सम्मान का
पात्र बनाता है।
वो हमेशा एक बात दोहराते हैं–
बेटा, हमें अपने नाम और सम्मान की रक्षा करनी
है।
अपने जीवन में स्वयं का मूल्य बनाना है।
समाज, परिवार और देश के लिए कुछ करते
रहना है।
जैसे मुझे मेरे पिता से ये संस्कार मिले,
वैसे ही मैं चाहता हूँ कि तुम्हें भी वही संस्कार मिले
और तुम भी उनका पालन करो।

पिता जी की बातें मेरे अंतर्मन में उतर जाती हैं,
हमने तो जिंदगी अभावों में गुजारी, लेकिन तुम्हें
वह संघर्ष नहीं करना पड़ेगा।
मगर तुम इस सम्मान को बनाए रखना।
एक सभ्य, शीलवान और योग्य व्यक्तित्व का
निर्माण करना।
बेटा, भटकने के लिए कई राहें हैं लेकिन सही
दिशा केवल एक ही है–
सत्य, धर्म और ईमानदारी।
अपने कर्तव्यों को पूरी निष्ठा से निभाते जाओ,
गौरव अपने आप मिलेगा।

मैं चाहता हूं लोग कहें –
देखो, ये राजकुमार के पिताश्री श्रीराम जी का
बेटा है!

आज मैं समझ गया हूं–
दुनिया में एक ही व्यक्ति ऐसा होता है जो हमेशा
यही चाहता है
कि उसका बेटा उससे आगे बढ़े, सुखी जीवन
बिताए...
और वो है – पिताजी।
धन्य हैं आप, पिताजी।
आपको बारम्बार प्रणाम।

— सुदीप सतीश सकरगायें दीप
आनंद नगर, खंडवा (म.प्र.)

खंडवा अलीराजपुर नई ब्रॉडगेज रेल लाइन को लेकर संगठनों ने उठाई मांग, रेलमंत्री को भेजे मेल

23 जून को होगा संकल्प पूजन, आयोजन की ली स्वीकृति

अनोखा तीर, खंडवा। खंडवा से अलीराजपुर होते हुए गुजरात तक नई ब्रॉडगेज रेल लाइन की वर्षों पुरानी मांग को लेकर निमाड़ क्षेत्र के सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों और नागरिकों में एक बार फिर आंदोलनात्मक सक्रियता दिखाई दे रही है। खंडवा से अलीराजपुर के बीच रेल परियोजना को शीघ्र स्वीकृति और निर्माण कार्य प्रारंभ करवाने हेतु खंडवा के विभिन्न संगठनों ने रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव को ई-मेल भेजकर अपनी मांग रखी है।

स्वीकृति के करीब रेल परियोजना, सर्वे कार्य पूर्ण- समाजसेवी एवं प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि खंडवा-भीकनगांव-खरगोन-बड़वानी-कुक्षी-अलीराजपुर-गुजरात तक प्रस्तावित ब्रॉडगेज रेल लाइन की मांग स्वतंत्रता पूर्व काल से की जा रही है। यह क्षेत्र आदिवासी बहुल है और यहां के कई बच्चे अब तक रेल तक नहीं देख पाए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा इस रेललाइन के अंतिम सर्वे हेतु 6.25 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए थे। अब जमीनी एवं ड्रोन सर्वे पूर्ण हो चुका है। सर्वे रिपोर्ट के आधार पर एस्टीमेट तैयार कर रेलवे बोर्ड को भेजा जाएगा, जहां से इस रेल मार्ग की स्वीकृति की उम्मीद है।

मुंबई में हुई बैठक में हुई चर्चा- प्रवक्ता जैन ने बताया कि मुंबई में हाल ही में हुई बैठक में खंडवा सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल एवं रेल समिति सदस्य मनोज सोनी ने भी इस रेल लाइन को लेकर गंभीरता से चर्चा की और एस्टीमेट शीघ्र रेलवे बोर्ड भेजने की बात कही।

रेल मंत्री को संगठनों ने किए मेल- जनमंच के चंद्र कुमार सांड ने जानकारी दी कि जनमंच, सद्भावना मंच, मध्य प्रदेश लेखक संघ, ताप्ती-नर्मदा रेल लाइन समिति सहित कई संगठनों के प्रतिनिधियों ने रेलमंत्री को मोबाइल के माध्यम से ईमेल भेजकर आग्रह किया है कि अब जबकि सर्वे पूर्ण हो चुका है, तो जल्द से जल्द निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाए। मेल करने वालों में प्रमोद जैन, देवेंद्र जैन, दामोदर अग्रवाल, भानु पटेल, डॉ. डी.एल. बकोरिया, कमल नागपाल आदि प्रमुख रूप से शामिल हैं।

23 जून को संकल्प पूजन, आयोजन की ली अनुमति

ताप्ती-नर्मदा रेल लाइन केंद्रीय समिति द्वारा निर्णय लिया गया है कि 23 जून को दोपहर 1 बजे नर्मदा नदी के उत्तर तट पर नर्मदा मंदिर मालवाड़ा (गणपुर चौकड़ी के पास) संकल्प पूजन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें स्वामीनारायण संप्रदाय वड़ताल धाम के संतों के साथ निमाड़ क्षेत्र के प्रमुख संत पूजन करेंगे। इस आयोजन में खंडवा, खरगोन, बड़वानी और अलीराजपुर जिलों से सैकड़ों लोग शामिल होंगे। कार्यक्रम के लिए खंडवा, खरगोन, बड़वानी और अलीराजपुर की जिला इकाइयों ने अपने-अपने जिलों के कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षकों से अनुमति मांगी है। खंडवा में शुक्रवार को जिला इकाई के अध्यक्ष सुजान सिंह राठौर, सचिव योगेश कोटवाले, चंद्र कुमार सांड, सुनील जैन आदि ने कलेक्टर व एसपी को आवेदन सौंपा। खंडवा-अलीराजपुर रेल मार्ग की मांग अब निर्णायक मोड़ पर है। सामाजिक संगठनों और क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों की सक्रियता से उम्मीद है कि जल्द ही इस परियोजना को केंद्र की मंजूरी मिल सकती है। क्षेत्रीय विकास और आदिवासी अंचलों के लिए यह रेल लाइन एक नई जीवन रेखा सिद्ध हो सकती है।

सार-समाचार

मुस्लिम समाजजनों ने हर्षोल्लास के साथ मनाई ईद उल अज़हा

समाज सदस्यों ने शहर में जुलूस निकालकर ईदगाह पर की नमाज अदा

अनोखा तीर, बड़वाह। स्थानीय मुस्लिम समाजजनों ने शनिवार को ईद उल अज़हा का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर समाज सदस्यों ने सुबह जामा मस्जिद से ईदगाह तक ईद का जुलुस निकाला। जो नगर के एमजी रोड, मुख्य चौराहा, इंदौर रोड होकर आदर्श नगर स्थित ईदगाह

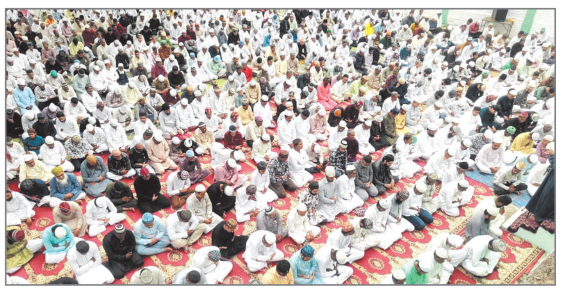

पर पहुंचा। जहा सुबह 8 बजे शहर काजी मौलाना रेहान रज़ा साहब ने ईद कि नमाज अदा कराई। नमाज अदा करने के बाद मुस्लिम अंजुमन कमेटी के सदस्यों ने एक दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी। नमाज के दौरान सभी ने शहर और वतन के अमनो और अमान के लिये दुआ की। इस मौके पर समाजजन एक दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारक बाद देते नजर आए। जबकि बच्चे और युवा भी ईद की खुशी का इजहार करते दिखाई दिए। इस दौरान एसडीएम सत्यनारायण दर्रे, तहसीलदार शिवराम कनासे, एसडीओपी श्रीमति अर्चना रावत, थाना प्रभारी बलराम सिंह राठौर, नायब तहसीलदार द्वय राजेश कुमार मुजमेर सहित पुलिस व राजस्व अमला कानून व्यवस्था को लेकर मुस्तैद नजर आए। उल्लेखनीय है कि ईद कि नमाज के बाद समाजजनों द्वारा कुरबानी पेश कि गई।

सिंधी भाषा के संरक्षण की ओर एक कदम: 60 बच्चे ले रहे हैं सिंधी भाषा का प्रशिक्षण

-देवनागरी लिपि में चल रही सिन्धीयत जी पाठशाला

अनोखा तीर, खंडवा। हर इंसान को अधिक से अधिक भाषाओं का ज्ञान होना चाहिए, क्योंकि अपनी भाषा में संवाद करने से अपनापन झलकता है। यह भावपूर्ण बात पूज्य सिंधी पंचायत के प्रवक्ता कमल नागपाल ने उस समय कही, जब वे मध्यप्रदेश सिंधी साहित्य अकादमी द्वारा आयोजित सिन्धीयत जी पाठशाला में अतिथि के रूप में शामिल हुए। यह विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम

1 से 15 जून तक सिंधी कॉलोनी खंडवा में संचालित हो रहा है, जिसमें प्रतिदिन प्रातः 8 से 10 बजे तक 60 बच्चों को देवनागरी लिपि में सिंधी भाषा और साहित्य का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। बच्चों को न केवल सिंधी भाषा के अक्षर ज्ञान और शब्दावली का अभ्यास कराया जा रहा है, बल्कि सिंधी गीतों, कहानियों व सांस्कृतिक मूल्यों की जानकारी भी दी जा रही है। संयोजन और प्रशिक्षण का जिम्मा संभाल रहे है- मनीष कुमार मलानी, जो सिंधी पाठक मंच के संयोजक भी हैं। उन्होंने बताया कि पाठशाला में समाज की महिलाएं भी सक्रिय सहयोग दे रही हैं। रानी जयरामदास खेमानी और मनीषा संतवाणी इस पूरे अभियान में विशेष भूमिका निभा रही हैं। प्रतिदिन किसी न किसी विशिष्ट अतिथि की उपस्थिति इस पाठशाला की विशेषता है। इसी क्रम में कमल नागपाल ने बच्चों को संबोधित करते हुए देवनागरी लिपि में सिंधी भाषा के प्रचार-प्रसार को एक सद्कार्य बताया। उन्होंने घोषणा की कि पाठशाला के समापन अवसर पर आयोजित प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षु को उनकी ओर से विशेष पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन मनीष कुमार मलानी ने किया तथा अंत में तैराकी प्रशिक्षक अमित वैडानी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

बाबा माधवदास उदासी का 58वाँ जन्मोत्सव श्रद्धा व भक्ति भाव से मनाया

अनोखा तीर, खंडवा। सिंधी समाज द्वारा शुक्रवार को बालकधाम, सिंधी कॉलोनी में बाबा माधवदास उदासी का 58वाँ जन्मोत्सव अत्यंत श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विविध धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन संपन्न हुए, जिसमें समाज के श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। बालकधाम प्रवक्ता निर्मल मंगवानी ने जानकारी देते हुए

बताया कि शाम 6 बजे समाज की मातृशक्ति द्वारा सुखमणि साहब का सामूहिक पाठ किया गया। यह दृश्य भक्तिभाव से ओतप्रोत था, जहाँ वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण हो उठा। रात्रि 8 बजे से सत्संग और भजन संध्या का आयोजन हुआ, जिसमें भजन गायक अशोक मंगवानी और कन्नु साई सहित अन्य कलाकारों ने भजनों की सुंदर प्रस्तुतियां दीं। उनके मधुर स्वरों ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। इसके पश्चात श्री गुरुग्रंथ साहिब जी पर भोग अर्पित किया गया। रात्रि 9 बजे समाजजनों, सेवकों, शिष्यों एवं वरिष्ठजनों की उपस्थिति में विशाल केक काटकर बाबा जी का जन्मोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। आरती, अरदास और पल्लव के बाद उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को भोजन प्रसादी वितरित की गई। इस अवसर पर पूज्य सिंधी पंचायत के कार्यकारी अध्यक्ष नानकराम चंदवानी, हरीश तलरेजा, मोहन दीवान, मनोहरलाल सबनानी, अनिल आरतानी, मनोहर संतवानी, नारायणदास चावला, महेश चंदवानी, जेठानंद हरचंदानी, नानकराम बजाज, निर्मल मंगवानी, ईश्वर, ताराचंद जेठवानी, मनोज रोहड़ा, जयराम खेमानी सहित अनेक गणमान्य नागरिक, महिलाएं, बच्चे और भक्तजन बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

संगठन सृजन अभियान को लेकर खंडवा दौरे पर रहेंगे एआईसीसी प्रभारी ब्रजेन्द्र प्रताप सिंह

आज खंडवा में लेंगे प्रेस वार्ता एवं कांग्रेस संगठन की बैठक

अनोखा तीर, खंडवा। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा देशभर में शुरू किए गए संगठन सृजन अभियान के तहत

कांग्रेस पार्टी ने संगठनात्मक सशक्तिकरण की दिशा में तेज़ कदम बढ़ा दिए हैं। इसी क्रम में एआईसीसी के संगठन सृजन अभियान प्रभारी ब्रजेन्द्र प्रताप सिंह आज से खंडवा जिले के पांच दिवसीय प्रवास पर रहेंगे। उनके साथ जिला प्रभारी विपिन वानखेड़े और सह प्रभारी रीना बौरासी भी मौजूद रहेंगे। प्रवक्ता प्रेमांशु जैन ने बताया कि संगठन सृजन अभियान केवल सांगठनिक पुनर्गठन नहीं, बल्कि एक वैचारिक आंदोलन है जिसका उद्देश्य पार्टी की जड़ों को मज़बूत कर कार्यकर्ताओं को नेतृत्व के लिए तैयार करना है। यह अभियान बूथ स्तर से प्रदेश स्तर तक पार्टी को पुनः खड़ा करने की दिशा में निर्णायक कदम है। इस दौरे के दौरान ब्रजेन्द्र प्रताप सिंह जिले की सभी विधानसभा क्षेत्रों के वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं, जनप्रतिनिधियों, ब्लॉक अध्यक्षों और कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद करेंगे। उनके दौरे को लेकर कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय भोपाल में हाल ही में आयोजित बैठक में राहुल गांधी ने संगठन सृजन अभियान का शुभारंभ करते हुए इसे पार्टी की नवनिर्माण यात्रा की संज्ञा दी थी। उनके अनुसार, यह अभियान पार्टी को फिर से जनता के बीच मज़बूती से खड़ा करेगा। खंडवा कांग्रेसजनों के लिए यह दौरा एक नई ऊर्जा और दिशा देने वाला सिद्ध हो सकता है।

जनपद खंडवा में कलेक्टर ने की विभागीय समीक्षा बैठक

रूफ वाटर हार्वेस्टिंग, बोरी बंधान और मियावाकी वृक्षारोपण पर दिया विशेष जोर

अनोखा तीर, खंडवा। जनपद पंचायत खंडवा में कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में शासन की योजनाओं की प्रगति पर चर्चा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने सभी शासकीय भवनों, आवासों, दुकानों, मंदिरों, अस्पतालों, वेयरहाउस आदि में रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने के निर्देश दिए। साथ ही बोरी बंधान कार्य हेतु ग्राम स्तर पर नालों के चयन, अगस्त तक न्यूनतम तीन बंधान बनाने तथा स्कूली बच्चों और एनजीओ की सहभागिता सुनिश्चित करने को कहा। श्री गुप्ता ने मियावाकी तकनीक से वृक्षारोपण के निर्देश देते हुए प्रत्येक उपयंत्री को 5 प्लांटेशन का लक्ष्य दिया। मत्स्य पालन हेतु पानी भरे रहने वाले स्थानों की पहचान कर प्रशिक्षण दिलाने को कहा। समग्र ई-केवायसी अभियान की प्रगति पर असंतोष जताते हुए कलेक्टर ने चेताया कि धीमी प्रगति पर जिम्मेदारों पर कार्रवाई की जाएगी। जल जीवन मिशन अंतर्गत सभी पंचायत भवनों में नल कनेक्शन देने और जलस्त्रोत रिचार्ज करने हेतु वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाने के निर्देश भी दिए गए। जलकर वसूली में ढिलाई पर नाराजगी

जताते हुए कलेक्टर ने बकायादारों के कनेक्शन काटने और संबंधित सचिवों पर दंडात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी। श्री गुप्ता ने कहा कि नलों में टोंटी नहीं होने से पानी बर्बाद होता है, अतः सभी नलों में टोंटी लगाई जाए और इसकी राशि उपभोक्ताओं से वसूली जाए। हितग्राही योजनाओं में राशि मिलने के बाद भी कार्य नहीं होने पर पंचायत अधिनियम की धारा 92 के अंतर्गत वसूली के निर्देश दिए। मनरेगा सहित अन्य योजनाओं में अपूर्ण कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। जल गंगा अभियान के अंतर्गत 15 जून तक रूफ वाटर हार्वेस्टिंग, खेत तालाब, डगवेल आदि कार्य पूरे करने को कहा गया। बैठक में सांसद एवं विधायक निधि से चल रहे कार्यों की समीक्षा में लापरवाही पर जनपद लेखापाल राजेश पाराशर को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिए गए। पीएचई विभाग द्वारा जल जीवन मिशन की प्रगति पर असंतोष जताते हुए कई गांवों में अपूर्ण कार्यों और खराब व्यवस्थाओं पर उच्च स्तरीय जांच कराने के निर्देश भी दिए। अंत में लोक निर्माण विभाग के अमलपुरा और सांवखेड़ा रोड जैसे निर्माण कार्यों की गुणवत्तापूर्ण एवं समय पर पूर्णता सुनिश्चित करने को कहा गया। बैठक में जिला पंचायत सीईओ डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा, जनपद सीईओ, पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सहायक, तकनीकी अमला व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्रीष्मकालीन खेल शिविर का खालवा में भव्य समापन

- एक माह तक चला शिविर, 100 से अधिक खिलाड़ियों ने लिया भाग

अनोखा तीर, खंडवा/खालवा। मध्यप्रदेश शासन एवं खेल और युवा कल्याण विभाग भोपाल के निर्देशानुसार खालवा ब्लॉक में आयोजित ग्रीष्मकालीन खेल शिविर का समापन शुक्रवार को उत्कृष्ट विद्यालय परिसर मैदान में हुआ। यह शिविर जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग के तत्वावधान में तथा सामाजिक स्वास्थ्य शिक्षा पर्यावरण संरक्षण समिति के सहयोग से 5 मई से 6 जून तक चला। समापन समारोह के मुख्य अतिथि समिति अध्यक्ष संदीप सावले थे। विशेष अतिथि के रूप में उपाध्यक्ष राजेन्द्र सूर्यवंशी, कोषाध्यक्ष गोल्डी सोनी, समिति सचिव नितेश यादव, वरिष्ठ नागरिक सुधीर चौहान, बसंत सोनी, योगेश नामदेव, अशोक नरवर सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। ब्लॉक समन्वयक चेतन गोहर ने जानकारी दी कि शिविर में 8 से 18 वर्ष आयु वर्ग के करीब 100 खिलाड़ियों ने भाग लिया। 75 खिलाड़ियों का पंजीयन किया गया था। शिविर में फुटबॉल, वॉलीबॉल, योगा, करियर गाइडेंस, तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की जानकारी दी गई। साथ ही

खेलो और आगे बढ़ो योजना के अंतर्गत खिलाड़ियों को विभागीय गतिविधियों से जोड़ा गया। शिविर के दौरान खिलाड़ियों को पोषण आहार समिति द्वारा एक माह तक नियमित रूप से वितरित किया गया तथा खेल सामग्री खेल विभाग द्वारा प्रदान की गई। समापन अवसर पर खिलाड़ियों को ट्रॉफी, मेडल व प्रमाण पत्र अतिथियों द्वारा वितरित किए गए। संदीप सावले ने कहा, ग्रीष्मकालीन खेल शिविर केवल खेल प्रशिक्षण तक सीमित नहीं, बल्कि यह अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व जैसे गुणों का भी विकास करता है। शिविर के सफल संचालन हेतु समिति के संदीप सावले व नितेश यादव का विशेष रूप से सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन चेतन गोहर व गोल्डी सोनी द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन खेल प्रशिक्षक नितेश यादव ने किया। खास बात यह रही कि आगामी 19 जून को टैलेंट सर्च प्रतियोगिता का आयोजन खेल विभाग द्वारा किया जाएगा, जिसमें इस शिविर के प्रतिभावान खिलाड़ियों को शामिल किया जाएगा।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट करने पर होगी दंडात्मक कार्रवाई

अनोखा तीर, खंडवा। जिले में सोशल मीडिया के माध्यम से धार्मिक भावनाएं भड़काने और आपत्तिजनक सामग्री के प्रसार पर अब कठोर प्रशासनिक कार्रवाई होगी। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी ऋषव गुप्ता ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी कर दिए हैं। ये आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिए गए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि व्हाट्सऐप, फेसबुक, इंस्टाग्राम व अन्य सोशल मीडिया माध्यमों पर आपत्तिजनक पोस्ट, फोटो या वीडियो डालने, फारवर्ड करने या प्रसारित करने वालों पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

ग्रुप एडमिन भी होंगे जिम्मेदार

जारी आदेश के अनुसार, किसी भी व्हाट्सऐप या फेसबुक ग्रुप में यदि धार्मिक भावना को ठेस पहुंचाने वाला संदेश या सामग्री प्रसारित की जाती है, तो ग्रुप एडमिन को भी जवाबदेह माना जाएगा। यदि कोई सदस्य आपत्तिजनक संदेश साझा करता है, तो ग्रुप एडमिन की यह जिम्मेदारी होगी कि वह तत्काल निकटतम पुलिस थाने को सूचित करे। ऐसा न करने की स्थिति में एडमिन को घटना के लिए उत्तरदायी माना जाएगा।

नागरिकों से संयम बरतने की अपील

प्रशासन ने सभी सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं से धार्मिक विषयों पर संयमित व जिम्मेदार व्यवहार करने की अपील की है। आदेश में कहा गया है कि नागरिक किसी धर्म या संप्रदाय विशेष के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी, चित्र या वीडियो पोस्ट या फारवर्ड न करें।

प्रमुख निर्देशों की झलक- आपत्तिजनक पोस्ट करने या फारवर्ड करने पर सख्त कानूनी कार्रवाई। ग्रुप एडमिन होंगे जिम्मेदार, सूचना न देने पर दंडनीय अपराध। फेसबुक पेज या ग्रुप चलाने वालों को भी आदेश के तहत जिम्मेदार माना जाएगा। धार्मिक सौहार्द्र बनाए रखने हेतु आदेश तत्काल प्रभाव से लागू। प्रशासन की इस सख्ती को सोशल मीडिया पर बढ़ती असंवेदनशीलता और अफवाहों के खतरों को रोकने की दिशा में सकारात्मक कदम माना जा रहा है।

महिला एवं बाल विकास विभाग ने आयोजित किया बॉस्केटबॉल टूर्नामेंट

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत लड़कियों को मिला मंच

अनोखा तीर, खंडवा। महिला एवं बाल विकास विभाग खंडवा द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को एकलव्य एकेडमी में बालिकाओं के लिए बॉस्केटबॉल टूर्नामेंट आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं को शारीरिक और मानसिक रूप से सशक्त बनाना, उनकी खेलों में भागीदारी को बढ़ावा देना और लैंगिक समानता के प्रति समाज को जागरूक करना रहा।

आनंद कुमार जैन को उत्कृष्ट नवाचारी लेखक सम्मान

शिक्षा, साहित्य व समाज सेवा में सतत योगदान के लिए सम्मानित

अनोखा तीर, खंडवा। शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और उत्कृष्ट लेखन के लिए आनंद कुमार जैन को वैदिक प्रकाशन द्वारा उत्कृष्ट नवाचारी लेखक सम्मान से अलंकृत किया गया। इस अवसर पर उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। श्री जैन की नवाचार और टीएलएम (शैक्षणिक शिक्षण सामग्री) विषयक पुस्तक शिक्षकों के लिए एक प्रेरणास्त्रोत एवं मार्गदर्शक बनकर उभरी है। वर्तमान में श्री जैन, खंडवा स्थित मोतीलाल नेहरू विद्यालय में उच्च माध्यमिक वाणिज्य शिक्षक के रूप में कार्यरत हैं। शिक्षा, साहित्य एवं समाज सेवा के क्षेत्र में उनका योगदान उल्लेखनीय व प्रेरणादायी रहा है।

सुदीर्घ शैक्षणिक यात्रा- श्री जैन ने वर्ष 2001 में शासकीय शिक्षा महाविद्यालय खंडवा से बीएड करने के बाद, सरस्वती विद्या मंदिर कल्याणगंज में वाणिज्य विषय के प्रवर श्रेणी व्याख्याता के रूप में कार्य किया। वहाँ वे बौद्धिक प्रमुख और प्रचार-प्रसार प्रमुख भी रहे। वर्ष 2007 से 2019 तक उन्होंने गुना ज़िले के विभिन्न विद्यालयों में सेवाएं देते हुए खंडवा का नाम भी गौरवान्वित किया। उन्होंने वाणिज्य के सभी विषयों के साथ अर्थशास्त्र और हिंदी का भी सफल अध्यापन किया। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु विभिन्न गतिविधियों के संचालन में उनकी विशेष भूमिका रही है। वे लगातार शैक्षणिक नवाचार, अनुप्रयोग और अनुसंधान में संलग्न हैं।

लेखन में अद्वितीय योगदान- श्री जैन का लेखन 2001 से निरंतर जारी है, जो विद्यार्थियों के हित में शिक्षण-सहायक सामग्री के रूप में कार्य करता है। प्रबंधन जैसे जटिल विषयों को वे भारतीय संस्कृति, साहित्य, महापुरुषों और लोक परंपराओं से जोड़कर सरलता से विद्यार्थियों को समझाते हैं। वे विषय सामग्री को पूर्व ज्ञान, भावी ज्ञान और व्यवहारिक अनुभवों से जोड़कर अध्यापन करते हैं।

सम्मानों की गौरवशाली सूची-

श्री जैन को अब तक कई राज्य स्तरीय और राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हो चुके हैं, जिनमें प्रमुख हैं-

युवा प्रतिभा सम्मान
स्वामी महावीर राज्य स्तरीय सम्मान
शिक्षाविद गिजू भाई सम्मान
डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन सम्मान
विश्वगुरु भारत गौरव राष्ट्रीय सम्मान
साहित्य सारथी सम्मान
शिक्षक गौरव सम्मान आदि।

वर्ष 2018 में उन्हें भारत विकास परिषद द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पूर्व राष्ट्रपति महामहिम रामनाथ कोविंद के भ्राता रामस्वरूप भारती और प्रसिद्ध निबंधकार डॉ. श्रीराम परिहार के हाथों भी सम्मानित किया गया।

बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट उपलब्धि

वर्ष 2025 की माध्यमिक शिक्षा मंडल परीक्षा में उनके विषय प्रथम (व्यवसाय अध्ययन) और द्वितीय (बहीखाता लेखाकर्म) में 100 प्रतिशत परिणाम रहा, जिसमें 98 प्रतिशत विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी से उत्तीर्णता प्राप्त की।

नवाचारों के सृजक

श्री जैन द्वारा अब तक सैकड़ों नवाचार सफलतापूर्वक किए जा चुके हैं। वे वर्तमान में भी संसाधनों और परिस्थितियों के अनुरूप उन नवाचारों का प्रयोग कर रहे हैं। उन्होंने इन नवाचारों का दस्तावेजीकरण और प्रकाशन कार्य भी प्रारंभ किया है ताकि अन्य शिक्षक भी इससे लाभान्वित हो सकें। श्री जैन न केवल शिक्षा बल्कि समाज में संविधान प्रदत्त मूल कर्तव्यों के प्रचार-प्रसार में भी सक्रिय भूमिका निभाते हैं। प्रतिदिन प्रार्थना सभा के बाद विद्यार्थियों को प्रेरक और नैतिक संदेश देना उनकी दिनचर्या का हिस्सा है।

सार-समाचार

झालौन में नर्मदा पुराण का समापन आज

अनोखा तीर, सेमरी हरचंद। रेलवे से रिटायर्ड झालौन निवासी रुस्तम पटेल के निवास पर 2 जून से प्रारंभ हुई श्री मां नर्मदा पुराण कथा का समापन आज होगा। कथावाचक पं. हरि गोविंद व्यास झालौन के मुखारविंद से ग्रामवासी कथा श्रवण करने पधार रहे हैं। पं. व्यास द्वारा मां नर्मदा पुराण के माध्यम से

नर्मदा नदी का महत्व और कथाओं का वर्णन किया जा रहा है। कथा के माध्यम से मां नर्मदा के उद्गम स्थल, उनके महत्व और उनके तट पर स्थित तीर्थ स्थान की महिमा का वर्णन किया गया। नर्मदा नदी की पवित्रता और उसके जल के महत्व का वर्णन भी बताया गया। उन्होंने कहा मां नर्मदा को हम मां मानते हैं। हमें मां नर्मदा में गंदगी नहीं करना चाहिए, साफ- सुथरा रखना चाहिए, मां के साथ बहुत अन्याय हो रहा है। इस मौके पर कथा सुनने कांग्रेस नेता पुष्पराज पटेल, हरिशंकर चौधरी, सत्यनारायण छुट्टल पटेल, रामकुमार पटेल, रुपेश पटेल कृष्णकांत पटेल के अलावा अन्य ग्राम वासी मौजूद रहे। आज पूर्णाहुति एवं भंडारे के साथ कथा का समापन होगा।

ईदगाह में नमाज अदा कर चौराहे पर गले मिलकर ईद मनाई

अनोखा तीर, पिपरिया। मंगलवारा चौराहे पर जामा मस्जिद में चारों मस्जिदों के मुस्लिम ने एकत्रित होकर ईदगाह तक जुलूस निकाल देश में अमन चैन के लिए नमाज अदा की और गले मिलकर ईद की मुबारक बात दी। कुर्बानी की फोटो सोशल मीडिया पर शेयर न करने की वात इमाम असफाक अहमद ने

कही। अंजुमन कमेटी के सदर इमरान अहमद ने प्रशसन को उत्तम व्यवस्था के लिए धन्यवाद दिया। मंगलवारा चौराहे पर सामुहिक रूप से पर ईद मिलन कार्यक्रम में विधायक ठाकुरदास नागवंशी, मंडल अध्यक्ष बलराम ठाकुर, पूर्व जिला सतर्कता निगरानी सदस्य अरविंद राय, गिरर्धमल्ल, जिला उपाध्यक्ष गोपाल दास दुदानी, लखन आनंदानी, युसूफ बेग मिर्जा, डॉ. सलीम खान, इरफान खान, बाबा खान, छोटू खान, मनोज शर्मा, राजा भैया पटेल, रवि राज, मनोज पाल, महामंत्री सुजीत रघुवंशी, शक्ति मालवीय शाहित सभी लोग उपस्थित रहे। जहां एक-दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी। विधायक एवं अरविंद राय ने कहा कि ईद का यह त्योहार हम सभी लोग एक-दूसरे से गले मिलकर मानते हैं।

ईको क्लब ने प्लास्टिक पॉल्यूशन पर किया जागरूक

अनोखा तीर, पिपरिया। क्षेत्र के ग्राम सांडिया के शासकीय उमा विद्यालय के प्राचार्य विनय मोहन शर्मा के मार्गदर्शन में ईको क्लब ने पर्यावरण दिवस मनाया को मनाया। ईको क्लब प्रभारी सारिका घारू ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति आमजन को और अधिक विचार करने की आवश्यक्ता बताई। विद्यार्थियों को एक नई डिजिटल टूल्स के द्वारा प्लास्टिक से होने वाले प्रदूषण साक्षरता का प्रयास किया जा रहा है। ईको क्लब की गतिविधि के अंतर्गत पौधारोपण करके तथा पूर्व में लगे पौधों का रखरखाव करके पर्यावरण को बचाने का संकल्प लिया गया।

नपा सीएमओ ने बरसात पूर्व नालों का किया निरीक्षण

अनोखा तीर, इटारसी। स्थानीय नगर पालिका की मुख्य नगर पालिका अधिकारी रितु मेहरा ने शनिवार को शहर में बरसात पूर्व की तैयारियों का जायजा लिया। इसी कड़ी में उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में नालों की साफ-सफाई और उनकी मौजूदा स्थिति का बारीकी से निरीक्षण किया। मानसून के आगमन से पूर्व जलभराव की समस्या से निपटने और जल निकासी व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से यह निरीक्षण किया गया। सीएमओ मेहरा ने

संबंधित अधिकारियों को नालों की तत्काल और पूरी तरह से सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि बरसात के दौरान पानी का बहाव सुचारु रूप से हो सके और निचले इलाकों में जलजमाव की स्थिति से बचा जा सके। निरीक्षण के दौरान, उन्होंने उन स्थानों पर विशेष ध्यान दिया जहां पिछले वर्षों में जलभराव की शिकायतें मिली थीं। उन्होंने साफ-सफाई कर्मचारियों को तेजी से काम करने और सभी अवरोधों को हटाने का आदेश दिया। सीएमओ ने कहा कि नागरिकों को बरसात के दौरान किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े, यह सुनिश्चित करना नगर पालिका की प्राथमिकता है। इस अवसर पर नगर पालिका के अन्य अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद रहे। यह उम्मीद की जा रही है कि इस पूर्व तैयारी से इटारसी शहर मानसून के लिए बेहतर तरीके से तैयार हो पाएगा।

जिला प्रशासन की सद्बुद्धि के लिए हनुमान चालीसा का पाठ करेगी श्री समर्पण श्री संस्था

अनोखा तीर, नर्मदापुरम। जिला अस्पताल में हो रही अनियमितताओं को लेकर बार-बार जिला प्रशासन को अवगत कराया गया। जिसके बाद भी जिला प्रशासन के कान में अभी तक जू नहीं रेंगी है। जिसको लेकर श्री समर्पण श्री संस्था द्वारा जिला प्रशासन की सद्बुद्धि के लिए जिला अस्पताल के गेट के सामने हनुमान चालीसा का पाठ किया जाएगा। संस्था के सदस्य विशाल चाबरिया ने बताया कि विगत एक महीने से हम जिला अस्पताल में जो व्यवस्थाएं ठप्प पड़ी हैं। जिसके लिए प्रशासन से लगातार सही करने की मांग कर रहे हैं। इसके बावजूद भी जिला प्रशासन को कोई फर्क नहीं पड़ रहा है और अब हमें भगवान का ही सहारा लेना पड़ेगा। क्योंकि भगवान हनुमान जी बुद्धि के दाता हैं और उनसे ही प्रार्थना कर जिला प्रशासन की बुद्धि ठीक करने के लिए हम हनुमान चालीसा का पाठ आज शाम 5 बजे करेंगे।

कायाकल्प योजना के तहत बनाई जा रही सड़क में बरती जा रही लापरवाही

अनोखा तीर, सोहागपुर। नगरीय क्षेत्र में नगर पंचायत द्वारा कायाकल्प योजना के तहत पांच सड़कों का निर्माण किया जा रहा है। जिसका ठेका भोपाल की एक कंपनी को दिया गया है, जिसके द्वारा इन सभी सड़कों का निर्माण किया जाना है। जिसमें से कुछ सड़कों का निर्माण कार्य ठेका कंपनी द्वारा शुरू भी कर दिया गया है। नगर के कोर्ट चौराहे से पलकमति नदी के पुल तक स्टेट हाईवे के किनारे कायाकल्प योजना के तहत ही सड़क निर्माण इसी ठेका कंपनी द्वारा किया जा रहा है, परंतु इसमें कंपनी द्वारा बड़ी लापरवाही बरती जा रही है। ठेकेदार के इंजीनियर द्वारा सड़क निर्माण से पहले वॉटर लेवल का नाप नहीं किया गया, जिसके चलते सड़क निर्माण के बाद लोगों को जलभराओ की समस्या से जूझना पड़ेगा। इससे पहले भी पिछले वर्ष स्टेट हाईवे के दूसरे किनारे पर कायाकल्प योजना के तहत सड़क निर्माण कार्य किया गया था। जिसमें भी वॉटर लेवल नहीं लगाया गया। जिससे हनुमान मंदिर के सामने लगातार जल भराव की स्थिति बनी रहती है, जिससे राहगीरों और व्यापारियों को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ता है। वहीं सड़क निर्माण के बाद सड़क की तराई भी पर्याप्त मात्रा में नहीं की जा रही है जिसके चलते इस गर्मी में सड़क में क्रेक आने की संभावना है। नगर परिषद में कोई स्थाई सब इंजीनियर नहीं होने के चलते ठेकेदार मनमानी से काम कर रहा है। इस मामले में बात करने के लिए जब ठेकेदार के नंबर पर फोन किया गया तो उनके द्वारा कॉल रिसीव नहीं किया गया। जब इस विषय को लेकर सोहागपुर तहसीलदार और नगर पंचायत के प्रभारी सीएमओ रामकिशोर झरबड़े से बात की गई तो उनका कहना है कि आपने मुझे बताया तब मुझे जानकारी लगी। मैं ठेकेदार और सब इंजीनियर से बात कर काम में हो रही लापरवाही को दुरुस्त करवाता हूं।

अभा अखंड रघुवंशी क्षत्रिय महापरिषद राष्ट्रीय अध्यक्ष का किया स्वागत

अनोखा तीर, सिवनी मालवा। अल्प प्रवास पर पधारे राष्ट्रीय अध्यक्ष उमाशंकर रघुवंशी का नगर में रघुवंशी समाज द्वारा स्वागत किया गया। इस दौरान उनके साथ समाजसेवी सुमेर सिंह पटेल होशंगाबाद एवं समाजसेवी श्रीराम रघुवंशी भी पधारे। राष्ट्रीय अध्यक्ष के प्रथम आगमन पर समाजजनों ने उनका सूक्ष्म रूप मे स्वागत किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सर्वप्रथम मंदिर पहुंचकर श्री राम दरबार में श्रीफल भेंट किया एवं ईश्वर से सकल रघुवंशी समाज के कुशलता की कामना की एवं राजा रघुवंशी की पत्नी का शीघ्र पता लगे और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई हो इसके लिए भी प्रार्थना की। तत्पश्चात समाजसेवीजनों के बीच बैठकर समाजसेवी सुमेर सिंह पटेल होशंगाबाद एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष उमाशंकर रघुवंशी भोपाल ने रघुवंशी समाज की एकता और अखंडता पर जोर दिया। साथ ही संगठन को मजबूत कैसे किया जाए इस पर विचार विमर्श किया। समाज की कुरोतियों को कैसे खत्म किया जाए इस बात पर भी जोर दिया। इस अवसर पर मंदिर के मुख्य कार्यवाहक पं. अवधेश तिवारी ने भी अपनी और से मार्गदर्शन देते हुए कहा कि आजकल समाज में दहेज प्रथा और मृत्यु भोज बहुत ज्यादा बढ़ रहा है यह आपके कार्यकाल में समाप्त होना चाहिए। इस अवसर पर एकत्रित समाजजनों ने रघुवंशी समाज की एकता और अखंडता के लिए कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ हजारीलाल रघुवंशी, मांगीलाल रघुवंशी, सुरेश रघुवंशी, दुर्गा पटेल, द्वारका प्रसाद रघुवंशी, कमल सिंह रघुवंशी, मुकेश पटेल, विनोद रघुवंशी, राममोहन शिक्षक, डॉ. देवीसिंह रघुवंशी, दीपक रघुवंशी, अभिनय रघुवंशी, रामकृष्ण रघुवंशी, कल्लू रघुवंशी, प्रवीण रघुवंशी, अंकित रघुवंशी उपस्थित रहे।

नगर के मार्गों पर अंधी गति से भगाते वाहन, आए दिन होते हैं हादसे

नगर पालिका से स्पीड ब्रेकर बनाने की मांग

अनोखा तीर, सिवनी मालवा।

स्थानीय नगर पालिका द्वारा नगर के मुख्य मार्गों का निर्माण किया गया है। जिन पर स्पीड ब्रेकर नहीं होने के कारण आए दिन गंभीर दुर्घटना हो रही हैं। इसके साथ ही नगर के नागरिक भी बुरी तरह से परेशान हैं। हादसे के भय के कारण बच्चे घर से बाहर नहीं निकल सकते। अंधी गति से भागते हुए दो पहिया वाहन, रेता और ईट के ट्रैक्टर ट्राली आंधी गति से नगर के मार्ग से निकल जाते हैं। इन मार्गों पर स्पीड ब्रेकर नहीं होने से इनकी अंधी गति को बल मिलता है। दूसरी ओर नए-नए वाहनों में अजीबोगरीब ध्वनि यंत्रों से प्रेशर हॉर्न बजाने, बुलेट मोटरसाइकिलों को अंधी गति से भागने और उनके साईलैंसरों से पटाखे फोड़ने जैसी घटनाएं आम बात होकर रह गई हैं। जिससे वृद्ध बीमार हार्ट के मरीजों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है। यही नहीं स्वामी विवेकानंद मार्ग पर स्थित स्कूल, कोचिंग के समय पर आवारा तत्वों का जमावड़ा वाहनों को भगाना रोज मर्रा की बात होकर रह गई है। पूर्व थाना प्रभारी द्वारा यहां पर पॉइंट ड्यूटी लगाई जाती थी ओर तेजतर्राट महिला इंस्पेक्टर ने अनेकों मजनुओं को भी सीधा कर दिया था। किंतु कुछ वर्षों से देखने में आ रहा है कि कोई भी पुलिस अधिकारी द्वारा इस और ना तो पटाखे फोड़ते वाहनों, अंधी गति भागते वाहन और मनचलो पर ही कोई कार्रवाई की जा रही है और ना ही नगर के मार्गों पर स्पीड ब्रेकर ही बनाए गए हैं। जिसके चलते अंधी गति से छोटे-छोटे नाबालिक बच्चों द्वारा बुलेट, पल्सर जैसी भारी वाहन को दौड़ाते देखा जा सकता है। नगर पालिका द्वारा गांधी चौक से वार्ड 4 गांधी मार्ग पुल के कोने तक बनाई गई सड़क पर ब्रेकर बनाकर सराहनीय कार्य किया है। इसी तरह गायत्री मंदिर मार्ग, राधाबल्ला मंदिर मार्ग, सेठ पूसामल मार्ग, सेठ बदामी लाल मार्ग, सहित अन्य मार्गों पर भी स्पीड ब्रेकरों का निर्माण किये जाने की मांग नगर की जनता ने नगर के प्रबुद्ध-पार्षदों नगर पालिका अध्यक्ष और विधायक प्रेम शंकर वर्मा से करते हुए आशा की है कि जल्द ही नगर के अन्य मार्गों पर भी स्पीड ब्रेकरों का निर्माण कराया जाए। जिससे आमजन वृद्ध-बच्चे दुर्घटना का शिकार होने से बच सके ओर कोई भी गंभीर दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

वन परिक्षेत्र बानापुरा में सागौन की अवैध कटाई एवं परिवहन पर बड़ी कार्रवाई

- 15 आरोपी गिरफ्तार एवं 3 वाहन जब्त

अनोखा तीर, सिवनी मालवा। वन परिक्षेत्र बानापुरा (सामान्य) अंतर्गत बीट बोरकुंडा में सागौन की अवैध कटाई एवं परिवहन के गंभीर मामले में विभाग द्वारा त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए वन अपराध प्रकरण क्रमांक 13711/08 दर्ज किया गया था। इस प्रकरण में संलिप्त 15 आरोपियों को गिरफ्तार कर नियमानुसार आवश्यक विभागीय कार्यवाही उपरांत उन्हें माननीय न्यायालय प्रथम श्रेणी सिवनी मालवा के समक्ष प्रस्तुत किया गया। प्रकरण में प्रयुक्त वाहन बोलोरो पिकअप को पूर्व में ही जप्त कर लिया गया है, जिसकी राजसात की कार्यवाही प्राधिकृत अधिकारी एवं उपवनमंडल अधिकारी, सिवनी मालवा के कार्यालय में प्रचलित है। इसके अतिरिक्त अपराध में प्रयुक्त अन्य वाहन मारुति सुजुकी स्विफ्ट कार एवं एक पल्सर मोटरसाइकिल को जप्त किया गया है, जिनकी राजसात की कार्रवाई प्रस्तावित किया जाना है। यह कार्यवाही मुख्य वन संरक्षक अशोक कुमार (वृत्त नर्मदापुरम), वन मंडल अधिकारी मयंक गुर्जर के कुशल मार्गदर्शन एवं निर्देशन में, तथा उपवन मंडल अधिकारी सिवनी मालवा के नेतृत्व में परिक्षेत्र बानापुरा वन अमले द्वारा की गई।

प्रत्येक माह 9 एवं 25 तारीख को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डोलारिया लगेगा में कैंप

अनोखा तीर, नर्मदापुरम। प्रतिमाह की 9 एवं 25 तारीख को डोलारिया के प्राथमिक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर कैंप लगेगा। अपना अस्पताल के संचालक डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्त्री रोग एवं प्रसूति वाली महिलाओं को इलाज और चेकअप के लिए नर्मदापुरम या इटारसी जाना पड़ता है। जिससे उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जिसको देखते हुए नर्मदा जीवनदायनी एवं नर्मदा अपना अस्पताल के माध्यम से डोलारिया में माह की प्रत्येक 9 एवं 25 तारीख को स्त्री एवं प्रसूति कैंप लगाया जाएगा। जिसमें नागपुर की स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. सुष्मिता श्रीवास्तव प्राथमिक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डोलारिया में उपस्थित रहेंगी। ग्रामीण क्षेत्र की स्त्री एवं गर्भवती महिलाओं का समय-समय पर चेकअप कर उनके खान-पान और गर्भवती अवस्था में क्या-क्या कार्य करने चाहिए और क्या नहीं करने चाहिए इन सब की जानकारी भी गर्भवती महिलाओं एवं स्त्रियों को कैंप के माध्यम से बताई जाएगी। डॉ. सुष्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि स्त्री एवं गर्भवती प्रसूति के समय कौन-कौन सी सावधानियां रखनी हैं। दरअसल नॉर्मल डिलीवरी की तैयारी बहुत पहले से करनी होती है इसमें सबसे ज्यादा योगदान होता है खानपान का। आजकल की लड़कियां

का जो बाहर से खाने का चलन है उसकी वजह से उनकी सेहत बहुत अच्छी नहीं रहती है और दूसरी चीज है, जो बच्चे खेलते हैं उनकी जमीन से शुरुआत होती है। तो आप डॉक्टर के पास में सही समय पर मतलब प्रेगनेंसी रहते से ही आप चेकअप के लिए जाएं तो उस समय हम आपको एक्सरसाइज, खाने-पीने के बारे में बहुत सारी जानकारियां देते हैं। प्रेगनेंसी में एक्सरसाइज व्यायाम कर सकते हैं। मगर कॉम्प्लिकेशंस ज्यादा होते हैं इसलिए गर्भवती महिलाओं को जमीन पर बैठकर काम करना चाहिए, एक्सरसाइज करना चाहिए और बाहर की चीजों से परहेज करना चाहिए। जिससे डिलीवरी के समय किसी तरह की कोई परेशानी ना हो। इन सब बातों की जानकारी एवं गर्भवती महिलाओं को जागरूक करने के उद्देश्य प्राथमिक उप स्वास्थ्य केंद्र डोलरिया में माह की प्रत्येक 9 एवं 25 तारीख को कैंप के माध्यम से दी जाएगी।

विश्व पर्यावरण दिवस पर सेठा मल्टी कैंसर अस्पताल में किया वृक्षारोपण

अनोखा तीर, नर्मदापुरम। मध्य प्रदेश पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन संवर्धन परिषद के प्रदेश अध्यक्ष हीरालाल पाटीदार नर्मदापुर नगर में पहुंचे। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में सेठा मल्टी कैंसर अस्पताल में वृक्षारोपण कार्य किया। इस दौरान ओमप्रकाश दया प्रदेश महासचिव उपस्थित रहे। डॉ. अतुल सेठा, विपिन ताम्रकार, अंबर सेठा, अनिल सैनी, आनंद नामदेव, सुनील चौहान, अजय वर्मा, राजेश बोहरा अखिलेश व्यास आदि ने उपस्थित रहकर पौधारोपण में सहयोग दिया। जिलाध्यक्ष प्रवीण नायक ने बताया कि शीघ्र पर्यावरण परिषद का वर्ष भर की कार्य योजना प्रस्तुत की जाएगी। जिसमें अनेक नगरीय स्थानों पर पौधारोपण, ब्लॉक स्तर पर जो प्रभावी कार्य होना है उसकी जानकारी विस्तार से दी जाएगी।

मूंग खरीदी की मांग को लेकर किसान पदयात्रा कर सीएम हाउस का करेंगे घेराव

अनोखा तीर, नर्मदापुरम। क्रांतिकारी किसान मजदूर संगठन ने कुछ दिन पूर्व विशाल ट्रैक्टर रैली निकालकर सरकार से शीघ्र ही मूंग खरीदी की मांग को लेकर प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा था। एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी मूंग खरीदी की प्रक्रिया शुरू नहीं की गई है। जिसको लेकर प्रदेश के किसान क्रांतिकारी किसान मजदूर संगठन के बैनर तले किसान समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदी की मांग लेकर भोपाल तक पैदल मार्च करेंगे। पिछले दिनों नर्मदापुरम में किसानों की ट्रैक्टर रैली को किसानों का अच्छा समर्थन मिला था। इससे

उत्साहित संगठन ने अब भोपाल पैदल मार्च करके विधानसभा में घेरा डालो, डेरा डालो कार्यक्रम का प्लान तैयार किया है। क्रांतिकारी किसान मजदूर संगठन के जिलाध्यक्ष हरपाल सिंह सोलंकी ने किसानों से आग्रह किया है कि वे अपनी मूंग की कटाई कर लें, मक्का एवं सोयाबीन की बोवनी कर लें। इसके बाद संगठन के बैनर तले भोपाल मार्च में शामिल होकर किसान एकता का परिचय देंगे, ताकि सरकार को मूंग की खरीद करने के लिए मजबूर किया जा सके। उन्होंने किसानों से आग्रह किया है कि किसी भी हालात में अपनी मूंग को मंडी में कम दाम पर नहीं बेंचे। यदि हमने अपनी एकता का परिचय दिया और हजारों की संख्या में भोपाल की ओर किसानों ने कूच किया तो सरकार को कुछ न कुछ हल जरूर निकालना पड़ेगा। उन्होंने किसानों से कहा कि हम लड़ेंगे और जीतेंगे आप तैयार रहें, जिस तरह से हमने शांतिपूर्ण तरीके से ट्रैक्टर-रैली को सफल बनाया नर्मदापुरम को घेराव किया, पूरे मध्यप्रदेश में भी किसानों ने मूंग खरीदी को लेकर एक क्रांति की अलख जगाई। इस तरह हम भोपाल को भी घेरेंगे और निश्चित रूप से सफल होंगे।

संत समाज से सार्वजनिक माफी मांगे स्वामी परमानंद गिरि : वैराग्यानंद गिरि महाराज

- **साधु-संतों की तुलना कुत्तों से करने पर फूटा संत समाज का गुस्सा**
- **निरंजनी अखाड़े से निष्कासन की उठी मांग**

अनोखा तीर, भोपाल।

कनखल स्थित वात्सल्य गंगा आश्रम के उद्घाटन समारोह के दौरान निरंजनी अखाड़े के महामंडलेश्वर योगपुरुष स्वामी परमानंद गिरि महाराज द्वारा साधु-संतों की तुलना कुत्तों से किए जाने पर देशभर के संत समाज में भारी बवाल मचा हुआ है। संतों ने इस टिप्पणी को सनातन धर्म, संत परंपरा और भगवा की गरिमा के विरुद्ध बताते हुए योगपुरुष स्वामी परमानंद गिरि महाराज को निरंजनी अखाड़े से निष्कासित करने की मांग की है। इस विवाद पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पंचायती श्रीनिरंजनी अखाड़े के महामंडलेश्वर स्वामी वैराग्यानंद गिरि महाराज ने कहा,

योगपुरुष स्वामी परमानंद गिरि महाराज की उम्र बहुत अधिक हो गई है। अब उन्हें केवल भगवान का भजन करते हुए मौन रहने की आवश्यकता है, न कि अपशब्दों का प्रयोग करने की। उन्होंने कहा कि जब उम्र बढ़ती है, तब जीभ लड़खड़ा जाती है और व्यक्ति क्या कह देता है, इसका अनुमान भी नहीं रहता। फिर भी यह वक्तव्य अत्यंत निंदनीय और संत समाज के अपमान को दर्शाता है। महामंडलेश्वर स्वामी वैराग्यानंद गिरि महाराज ने स्पष्ट किया कि इस मामले पर 13 अखाड़ों के अध्यक्ष जो निर्णय लेंगे, वह सर्वमान्य होगा। लेकिन जब समूचे संत समाज का अपमान हुआ है, तो योगपुरुष स्वामी परमानंद गिरि महाराज को पूरे देश के संतों से सार्वजनिक माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस बयान से न केवल संतों की गरिमा को ठेस पहुंची है, बल्कि आदि गुरु शंकराचार्य की परंपरा, भक्ति परंपरा, और राष्ट्र चेतना को भी आघात लगा है। वैराग्यानंद गिरी महाराज ने यह भी सवाल उठाया कि जब योगपुरुष स्वामी परमानंद गिरि महाराज संतों पर आपत्तिजनक टिप्पणी कर रहे थे, उस समय वहां उपस्थित दीदी मां ऋतंभरा हँस रही थीं। स्वामी वैराग्यानंद गिरी महराज ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि यह एक गंभीर बयान था, उस पर हँसी नहीं, विरोध होना चाहिए था। उन्होंने यह भी कहा कि जब समर्थ कोई होता है तो उसके अनुचित बयानों पर भी चुप्पी साध ली जाती है, लेकिन ऐसा नहीं होना चाहिए। ऐसे बयान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी अपमान हैं, क्योंकि उन्हीं की वजह से राम मंदिर ट्रस्ट में योगपुरुष स्वामी परमानंद गिरि महाराज को प्रमुख भूमिका मिली थी।

साध्वी ऋतंभरा की चुप्पी पर सवाल - स्वामी वैराग्यानंद गिरि महाराज ने यह कहते हुए साध्वी ऋतंभरा की चुप्पी पर भी सवाल उठाए कि, जब देश और धर्म का अपमान हो रहा हो, तब चुप रहना समझ से परे है। अगर उनके सामने कोई ऐसा बयान हो रहा है, तो उनका कर्तव्य है कि उसका विरोध करें। उन्होंने दो टूक कहा, मैं केवल सच कहने वाला संन्यासी हूं और राष्ट्र व सनातन संस्कृति की रक्षा के लिए समय-समय पर मुखर होता रहा हूं। मेरी यही सलाह है कि अब योगपुरुष स्वामी परमानंद गिरि महाराज को प्रवचन बंद कर, आश्रम में भजन-पूजन करते हुए मौन रहना चाहिए, क्योंकि उनकी उम्र बहुत ज्यादा हो गई है।

सार-समाचार

हर्षोल्हास से मनाया त्याग और बलिदान का पर्व ईद उल अजहा

अनोखा तीर, सोनकच्छ। नगर सहित क्षेत्र में ईद-उल-अजहा (बकरीद) का त्यौहार शांति व भाईचारे से मनाया गया। शनिवार को सुबह 9 बजे नगर के चमन बाजार स्थित ईदगाह सहित छोटी मस्जिद एवं नदी वाली मस्जिद में सामूहिक विशेष नमाज अदा हुई व देश मे अमन शांति के लिए दुआ की।

पश्चात मुस्लिम समुदाय के लोगों ने एक जुलुस निकाला जो इमामबाड़े पर पहुंचा। जहां पर फातिहा पढ़ने के बाद परम्परानुसार आगामी मोहर्रम पर निकलने वाले पवित्र ताजिए के निर्माण में लगने वाली बांस की कीमचियों के लिए मुस्लिम समाज व तवड़े के जागीरदार परिवार के सदस्यों द्वारा बांस फाड़ने की रस्म अदा की गई। इस रस्म के साथ मोहर्रम पर्व की तैयारियां प्रारम्भ हो गई। 20 दिवस बाद मोहर्रम का पर्व मनाया जाएगा। बता दें कि, सोनकच्छ नगर ही एक अकेला शहर है जहां पर बांस फाड़ने की रस्म अदा होती है। जुलूस के दौरान समाज के लोगों ने सभी समाजजनों से आपस में गले लगकर एक-दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी।

वरिष्ठ समाजसेवी जाजू का निधन

अनोखा तीर, सोनकच्छ। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता सुरजमल जाजू का 100 वर्ष की उम्र में शुक्रवार को निधन हो गया। वे कांग्रेस पार्टी के सक्रिय सदस्य थे। उन्होंने देवास जिला पंचायत के उपाध्यक्ष, जनपद पंचायत के

अध्यक्ष, ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष, माहेश्वरी समाज अध्यक्ष के साथ अन्य संगठनों के विभिन्न पद पर रहकर उल्लैखनिय कार्य किए थे। शनिवार को उनकी शव यात्रा तिलक मार्ग स्थित निज निवास से निकाली गई। यात्रा में पूर्व केबिनेट मंत्री सज्जनसिंह वर्मा सहित नगर, क्षेत्र व अन्य स्थानों के अनेक वरिष्ठ एवं विशिष्ठ तथा समाजजन शामिल हुए। श्मशान घाट पर आयोजित शोकसभा को पूर्व मंत्री वर्मा, सत्यनारायण लाठी, नारायणसिंह भाटी, अजयसिंह बघेल, डॉ. धर्मेन्द्र नागर, घनश्यामसिंह सेंगर, जनार्दनसिंह सिकरवार, महेश पाटीदार, नरेन्द्र मेहता, दशरथ यादव, जगजीतसिंह सलूजा, बलबहादुरसिंह झोरड़, रमेशचंद्र सांवलिया, सुरेश यादव, राधेश्याम गजेश्वर, प्रलादसिंह बिजोनिया, रमेश कौशल, दशरथ पटेल, शंकरलाल शर्मा, डॉ. धीरजसिंह यशोना आदि ने शोक संवेदाएं व्यक्त कीं। मुखाग्नी कनिष्ठ पुत्र दुर्गेश जाजू द्वारा दी गई।

अल्लाह की राह में सबसे मेहबूब चीज कुर्बान करने का नाम है ईदुल अज़हा

अनोखा तीर, देवास। शाही ईदगाह राधागंज में ईदुल अज़हा के मुबारक अवसर पर ईद की विशेष नमाज हुई। शहर सीनियर काजी मौलाना इरफ़ान अहमद अशरफी की सरपरस्ती में काजी नोमान अहमद अशरफी ने ईद की नमाज अदा कराई। अपनी तकरीर में काजी नोमान अहमद अशरफी ने कहा

कि कुर्बानी का मकसद अल्लाह की राह में अपनी सबसे मेहबूब चीज़ कुर्बान करने का नाम है। ईदुल अज़हा और हजरत इब्राहिम अलैहिस्सलाम ने भी यही किया, उन्होंने अपने सबसे महबूब चीज अपने बेटे हजरत इस्माइल को अल्लाह की राह में कुर्बान कर दिया। काजी नोमान ने कहा कि ईदुल अज़हा हमें ये पैगाम देती हैं कि मोहब्बत ही बांटी जाए। उन्होंने ईद के मौके पर पौधे लगाने पर भी जोर दिया। तकरीर के बाद नमाज अदा की गई। नमाज के बाद दुआ हुई देश की सलामती और अमन चैन के लिए हजारों हाथ उठे। दुआ के बाद सभी ने एक-दूसरे को गले लगा कर मुबारकबाद दी।

विकसित कृषि संकल्प अभियान अंतर्गत किसानों को नरवाई नहीं जलाने की सलाह दी

अनोखा तीर, कन्नौद। विकसित कृषि संकल्प अभियान अंतर्गत खातेगांव विधानसभा के कन्नौद तहसील के ग्राम कुसमानिया में शनिवार को विधायक आशीष शर्मा ने इस अभियान के अंतर्गत किसानों को नरवाई नहीं जलाने की सलाह दी। किसानों को नरवाई जलाने से होने वाले नुकसान के बारे में भी बताया गया। जिससे जैविक पदार्थ की मिट्टी में होने वाली कमी के बारे में भी बताया गया तथा किसानों को प्राकृतिक खेती के प्रति जागरुक कर प्राकृतिक खेती जैविक खेती को बढ़ावा देने प्रेरित किया। किसानों को रासायनिक खेती के साथ-साथ जैविक खेती करने प्रेरित किया गया। प्राकृतिक कृषि को बढ़ावा देते हुए किसानों से आह्वान किया कि हमारे खेत की मिट्टी रासायनिक उर्वरकों का एवं कीटनाशकों का अंधाधुंध प्रयोग करने

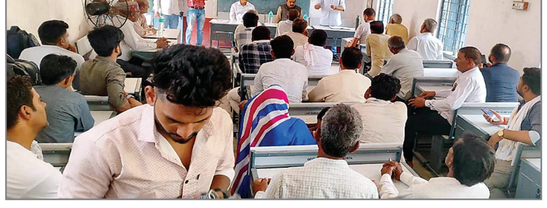

से लगातार जहरीली होती जा रही है। उन्होंने किसानों से अपील की है कि किसान भाई अपनी खेती के कुछ हिस्से में जैविक खेती अवश्य करें। जिससे उनकी मिट्टी में स्वास्थ सुधार हो सकेगा। साथ ही पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा एवं किसान खेती में लगने वाली लागत भी कम हो सकेगी। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र के डॉक्टर केएस भार्गव ने किसानों से मिट्टी की जांच उपरांत मृदा स्वास्थ्य कार्ड के आधार पर अनुशंसित उर्वरकों के प्रयोग की सलाह दी। साथ ही उन्होंने खरीफ में बोई जाने वाली सोयाबीन, मक्का आदि की विभिन्न उन्नतशील प्रजातियों के बारे में किसानों को विस्तार से बताया एवं सोयाबीन को कम पानी में एवं अधिक पानी में की स्थिति में किस तरीके से बचाया जा सके उसके बारे में भी किसानों को बताए। कृषि अभियांत्रिकी के रामेश्वर सनोदिया के द्वारा सोयाबीन से बने उत्पाद जैसे पनीर, खावा, सोया, दूध एवं अन्य उत्पाद बनाने के तरीके से अवगत कराया तथा कृषि में उपयोग होने वाले विभिन्न प्रकार के कृषि यंत्रों एवं अनुदान से संबंधित जानकारी भी दी गई। किसानों को रोटावेटर, सुपरसीडर, हैप्पी सीडर एवं एक्स्ट्रा रीपर खरीदने प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. केएस भार्गव, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी दिनेश भावसार एवं ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी ललित कुमावत, महेंद्र सिंह बकोरिया, दयाशंकर मीणा, कमल जाधव, आत्माराम काजले, राजेश परमार, हरि सिंह सेंधव, मानसिंह परमार, संतोष मालवीय, अखिलेश मालवीय, विजयसिंह कर्म, विकास परमार उपस्थित रहे।

गोधना पहुंचे भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के विशेषज्ञ

मां चंडी दरबार व किलों की विस्तृत जानकारी ली

अनोखा तीर, बैतूल।

चिचोली तहसील के गांव गोधना स्थित ऐतिहासिक मां चंडी दरबार और आसपास के किलों को लेकर क्षेत्रीय लोगों की वर्षों पुरानी मांग को बल मिला है। बीते दिनों भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग (एएसआई) की टीम यहां पहुंची और मां चंडी दरबार, राजा इल के किले, देवल व दुधियागढ़ किले का विस्तारपूर्वक सर्वेक्षण किया। सर्वेक्षण दल ने इन स्थलों का निरीक्षण करते हुए स्थल की ऐतिहासिकता, शिल्पकला, संरचना और वर्तमान स्थिति की बारीकी से जांच की। मंदिर परिसर के प्राचीन शिलालेखों, स्थापत्य और आसपास के किलेबंदी क्षेत्र को भी दस्तावेजीकृत किया गया। माना जा रहा है कि टीम द्वारा संकलित जानकारी के आधार पर बहुत जल्द चंडी दरबार और किलों को लेकर कोई नई घोषणा या रिपोर्ट जारी हो सकती है। ग्राम पंचायत गोधना के सरपंच संतोष चिक्का टेकाम ने बताया कि एएसआई की टीम का आना हमारे लिए बहुत बड़ी बात है। इससे हम सबको उम्मीद है कि मां चंडी दरबार और यहां के किले राष्ट्रीय धरोहर घोषित हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि इससे पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा और गांव को ऐतिहासिक पहचान मिलेगी। इससे पहले भी इस स्थल को लेकर विभिन्न स्तरों पर मांग उठ चुकी है। राष्ट्रीय अजा आयोग ने भी संज्ञान लेते हुए इस स्थान के संरक्षण और पुरातात्विक महत्व की जांच की अनुशंसा की थी। वहीं, तहसीलदार की रिपोर्ट में भी मां चंडी दरबार को ऐतिहासिक महत्व का स्थल बताया गया है। रिपोर्ट में उल्लेख है कि वर्ष 1916-17 से ही यह स्थल राजस्व अभिलेखों में मंदिर व पूजास्थल के रूप में दर्ज है। साथ ही, यह भी प्रमाणित हुआ है कि मंदिर की भूमि पर आदिवासी समाज की आस्था जुड़ी हुई है। गौरतलब है कि राजा इल के समय से इस क्षेत्र में ऐतिहासिक किले, स्थापत्य और धार्मिक महत्व के कई स्थलों का अस्तित्व रहा है, जो अब जर्जर हो चुके हैं। इनका संरक्षण सांस्कृतिक और ऐतिहासिक दृष्टि से भी अत्यंत आवश्यक है। ग्रामीणों और पंचायत प्रतिनिधियों ने आशा जताई है कि एएसआई द्वारा की गई इस जांच के बाद मां चंडी दरबार को राष्ट्रीय धरोहर घोषित किया जाएगा और यहां के ऐतिहासिक किलों का पुनरुद्धार किया जाएगा। इससे आने वाली पीढ़ियों को अपने इतिहास को जानने और समझने का अवसर मिलेगा।

क्षेत्र को सार्वजनिक घोषित करने की उठी मांग

गोधना के मां चंडी दरबार क्षेत्र को लेकर आदिवासी समाज सहित अन्य समाजों की भी यह मांग है कि इस क्षेत्र को सार्वजनिक घोषित किया जाए। उनका कहना है कि यह स्थान आस्था का केंद्र होने के साथ ही सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर भी है। यदि इसे सार्वजनिक स्थल का दर्जा मिल जाए तो यहां धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, जिससे क्षेत्र का समग्र विकास संभव हो सकेगा।

पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में खंडवा को बनाएंगे अव्वल: सावन पटेल

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत लगाए 300 पौधे

अनोखा तीर, खंडवा। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में पर्यावरण, वन एवं जलवायु संवर्धन परिषद की खंडवा इकाई द्वारा सोमवार को छैगांव माखन स्थित डॉ. सीवी रमन विश्वविद्यालय परिसर में विशेष पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत इस आयोजन में 300 पौधे रोपकर प्रकृति के प्रति श्रद्धा और संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि परिषद के प्रदेश अध्यक्ष हीरालाल पाटीदार रहे, जिन्होंने पर्यावरणीय संकट की गंभीरता पर प्रकाश डालते हुए कहा, आज पर्यावरण संरक्षण कोई विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बन चुकी है। हमें अपने पारंपरिक जलस्त्रोतों जैसे कुएं, बावड़ियां, मंदिर परिसर और मठों को पुनः स्वच्छ व संरक्षित करना होगा। प्रत्येक गांव में एक 'वन ग्राम' की स्थापना की जानी चाहिए, जिससे पर्यावरणीय संतुलन के साथ-साथ सांस्कृतिक जुड़ाव भी सशक्त हो। इस अवसर पर पंधाना विधायक छाया मोरे, प्रदेश सचिव ओमप्रकाश दय्या, नव नियुक्त जिलाध्यक्ष सावन पटेल, विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. अरुण जोशी, कुलसचिव रवि चतुर्वेदी, शिवचरण बंडू पटेल, शंकर पटेल सहित सामाजिक व शैक्षणिक क्षेत्र से जुड़े अनेक प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। नव नियुक्त जिलाध्यक्ष सावन पटेल ने अपने आभार उद्बोधन में कहा, प्रकृति को हरा-भरा बनाना हमारा संकल्प है। यह अभियान केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि एक जनांदोलन है। हम खंडवा जिले को पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में पूरे प्रदेश में अग्रणी बनाने हेतु प्रतिबद्ध हैं। कार्यक्रम में उपस्थित सभी जनों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी सहभागिता जताई। विश्वविद्यालय प्रशासन ने पौधों की देखरेख एवं संरक्षण का दायित्व भी स्वयं स्वीकार किया।

सीमांकन के बाद कराई गई 200 मीटर फेंसिंग ट्रैक्टर से तोड़ी

दलित वर्ग के पीड़ित का जातिसूचक गालियों से किया अपमान, कार्रवाई की मांग

अनोखा तीर, बैतूल। भैंसदेही तहसील के ग्राम पारडी निवासी शेषराव पिता काल्या मेहरा ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर आरोप लगाया है कि उनके सीमांकन के बाद कराए गए तार फेंसिंग को जानबूझकर ट्रैक्टर से तोड़ दिया गया और परिवार को जातिसूचक शब्दों से अपमानित कर मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। उन्होंने अनावेदक सुभाष, मीना और विजय के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। शेषराव ने शिकायत में बताया कि वे अपने परिवार सहित 29 मई को पूजा कार्य से भोपाल गए हुए थे। उसी दौरान 30 मई को उन्हें जानकारी मिली कि ग्राम बर्रासायगोहान स्थित खसरा नंबर 44/3 में राजस्व विभाग द्वारा 31 मई को किए गए सीमांकन के बाद जो फेंसिंग कराई गई थी, उसे ट्रैक्टर से नष्ट कर दिया गया। यह तार फेंसिंग करीब 200 मीटर लंबी थी जिसकी लागत लगभग 1 लाख रुपए थी। फेंसिंग को तोड़कर आधा एकड़ जमीन पर कब्जा कर कल्टीवेटर भी चला दिया गया। शिकायत में बताया गया कि वर्ष 2021 से सुभाष, मीना और विजय द्वारा लगातार जातिगत अपमान, गाली-गलौज और जमीन कब्जा करने की धमकियां दी जा रही हैं। कई बार शेषराव द्वारा इस संबंध में थाना भैंसदेही में भी शिकायत की गई है। शेषराव ने बताया कि मीना को आगे करके सुभाष और विजय परिवार को मानसिक रूप से परेशान करते हैं और प्रशासन के समक्ष झूठी शिकायतें करके दबाव बनाते हैं।

2023 में सीमांकन कर दिलाया था वैधानिक कब्जा

शेषराव ने बताया कि 7 जून 2023 को तहसील न्यायालय के आदेश पर तहसीलदार, आरआई और पटवारी की उपस्थिति में सीमांकन कर उन्हें वैधानिक कब्जा दिलाया गया था। इसके बाद उन्होंने 80 हजार रुपए खर्च कर 200 मीटर तार फेंसिंग कराई थी। लेकिन अब इस फेंसिंग को जबरन ट्रैक्टर से तोड़ दिया गया। पूरे मामले में शेषराव ने दोषियों के खिलाफ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम 1989 के अंतर्गत एफआईआर दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस पर 5 हजार की वसूली का आरोप, पीड़ित ने एसपी से की शिकायत

अनोखा तीर, बैतूल। गंज थाना पुलिस पर आवेदक राजेश रावत ने गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक से निष्पक्ष जांच की मांग की है। शिकायतकर्ता ने बताया कि गंज थाना में दर्ज प्रकरण में कार्रवाई के दौरान उससे पांच हजार रुपए की वसूली की गई और सहमति पत्र में फर्जी तरीके से दस्तावेज तैयार कराए गए। शिकायत के अनुसार, 29 मई को गंज थाना पुलिस द्वारा बुलाकर बयान देने के बहाने उसे बैठाया गया। थाने में पदस्थ महिला आरक्षक के कहने पर एक सहमति पत्र तैयार कराया गया, जिसमें उसकी भांजी का नाम और हस्ताक्षर डलवाए गए, जबकि उस समय भांजी वहां मौजूद ही नहीं थी। आरोप है कि यह सहमति पत्र आरोपी को बचाने की मंशा से तैयार कराया गया। शिकायतकर्ता का कहना है कि थाने में उसे सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक बैठाया गया और इस दौरान पुलिस वालों ने दबाव बनाकर कहा कि साहब 20 हजार रुपए मांग रहे हैं, बाद में 10 हजार देने की बात कही गई। इसके बाद उसने नागपुर में रह रही अपनी भांजी से संपर्क किया और राजकुमार के मोबाइल से पुलिस वालों द्वारा बताए गए खाते नंबर में दोपहर करीब 2 बजे पांच हजार रुपए ट्रांसफर कराए।

शिकायत में यह भी कहा गया कि 25 अप्रैल 2025 की सुबह 8.30 बजे रेलवे स्टेशन बैतूल के पास उसका मोबाइल छीन लिया गया था और दो युवकों ने उसके साथ धक्का-मुक्की करते हुए वीडियो भी बनाया। इस घटना की शिकायत 26 मई को एसपी कार्यालय में की गई थी, लेकिन आज तक मोबाइल वापस नहीं किया गया है। इसके अलावा 23 मई को अनावेदक के मोबाइल नंबर से उसे दोपहर 1.45 बजे धमकी भरा कॉल आया, जिससे डरकर वह नागपुर स्थित गिट्टी खदान थाने गए और वहां कि पुलिस ने बैतूल थाने में महिला आरक्षक से बात भी की थी। 27 मई को इस पूरे घटनाक्रम की शिकायत नागपुर के नंदनवन पुलिस स्टेशन में भी दी गई थी। शिकायतकर्ता ने यह भी बताया कि बैतूल शहर के रामनगर स्थित आंगनवाड़ी क्रमांक 1 में पदस्थ सहायिका ने उसे 29 मई को कहा कि पुलिस थाना से मोबाइल ले जाने के लिए घर आना पड़ेगा। जब वह मोबाइल लेने पहुंची तो सहायिका ने मोबाइल देने से इनकार कर दिया और उसके घर में मौजूद एक व्यक्ति ने धमकी दी कि अगर वह बैतूल में दोबारा दिखाई दी तो बख्शा नहीं जाएगा। डरी-सहमी शिकायतकर्ता जब वापसी के लिए रेलवे स्टेशन पहुंची तो वह व्यक्ति वहां भी पहुंच गया, जिसे वह जानते तक नहीं थे। इस बारे में भी महिला आरक्षक को जानकारी दी गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। एसपी से मांग की गई है कि उपरोक्त घटनाओं की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

संकल्प से सिद्धि अभियान के तहत भाजपा करेगी विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

जिला स्तरीय कार्यशाला सोनकच्छ में आयोजित

जिले के विधायकों सहित उप मुख्यमंत्री ने भी किया संबोधित

अनोखा तीर, देवास।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 11 साल पूरे होने पर भारतीय जनता पार्टी ने सोनकच्छ के पुष्पगिरि में कार्यशाला आयोजित की। भाजपा का यह संकल्प से सिद्धि अभियान 9 जून से 21 जून तक चलेगा। यह कार्यशाला विकसित भारत का अमृतकाल और सेवा-सुशासन-गरीब कल्याण के 11 साल पर आधारित है। कार्यशाला का शुभारंभ पं. दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के छाया चित्रों पर दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर किया गया।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्य उद्बोधन भाजपा जिलाध्यक्ष रायसिंह सेंधव ने दिया। उन्होंने कहा कि, संकल्प से सिद्धि अभियान समेत अन्य सभी कार्यक्रमों को सफल बनाने में कार्यकर्ता प्राण-प्रण से जुट जाएं। आज पार्टी का जो विशाल स्वरूप हम देख रहे हैं उसमें पार्टी के इन सभी कार्यक्रमों की महती भूमिका है। हमारे जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी व कार्यकर्ता इन कार्यक्रमों के माध्यम से जनता जनार्दन से सीधे जुड़ते हैं। कार्यक्रम को लेकर समाज के बीच जाने से जनता तक हमारा चिंतन विचार पहुंचता है। उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी को तो अपनी पौराणिक परंपराओं व राजनीतिक इतिहास की जानकारी नहीं है। कांग्रेस लगातार झूठ फैलाने में लगी रहती है इसलिए इस राष्ट्र को आगे बढ़ाने और राष्ट्रवाद की भावना को प्रखरता प्रदान करने का काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में हुआ। संविधान और लोकतंत्र की रक्षा का कार्य मोदी के कार्यकाल में हुआ। उन्होंने आगे कहा- जनता को इन कार्यक्रमों के जरिए सच्चाई और कांग्रेस के झूठ का पर्दाफाश करना है। भाजपा के प्रस्तावित कार्यक्रमों की चरणबद्ध संरचना करना है। इसके लिए जिला और मंडल इकाइयों को जुटना होगा। खातेगांव विधायक आशीष शर्मा ने मोदी जी के 11 वर्ष पूर्ण होने पर संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम के तहत अपनी बात रखी। वहीं सोनकच्छ विधायक राजेश सोनकर ने डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस के विषय को लेकर कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

इसी प्रकार हाटपीपल्या विधायक मनोज चौधरी ने स्वच्छ पर्यावरण दिवस को लेकर अपने विचार रखे। वहीं पूर्व देविप्रा अध्यक्ष राजेश यादव ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को लेकर जानकारी दी। इसी प्रकार पूर्व जिलाध्यक्ष बहादुर मुकाती ने आपातकाल को लेकर बात रखी। कार्यक्रम दो सत्रों में आयोजित किया गया, जिसके समापन सत्र में जिले के प्रभारी मंत्री व प्रदेश के उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने जिले भर से पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस दौरान मंच पर जिपं अध्यक्ष लीलाबाई अटारिया, लक्ष्मीनारायण गौरा, दुर्गेश अग्रवाल, नरेन्द्रसिंह राजपूत, मनीष सोलंकी, अजबसिंह सेंधव, टिकेन्द्रप्रतापसिंह उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री पंकज वर्मा ने किया। स्वागत भाषण प्रदेश मंत्री किसान मोर्चा महेश पाटीदार ने दिया। अंत में आभार मंडल अध्यक्ष राजेन्द्र मोड़रिया ने माना। इस अवसर पर बहादुर मुकाती, लीला अटारिया, दुर्गेश अग्रवाल, नरेंद्र सिंह राजपूत, राजेश यादव, अजय सिंह बघेल, महेश पाटीदार, पंकज वर्मा, अजब सिंह ठाकुर, पप्पू गोरा, टिकेंद्र सिंह, राजेंद्र सिंह मोडरिया एवं अभियान की जिला टोली, मंडल टोली सहित अपेक्षित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

आगामी योजना को लेकर दी जानकारी- भाजपा सह जिला मीडिया प्रभारी कमल अहिरवार ने बताया कि भाजपा जिलाध्यक्ष रायसिंह सेंधव ने जानकारी देते हुए कहा कि भाजपा द्वारा 5 से 6 जून जिला स्तर पर कार्यशाला आयोजित की गई है। इसके अंतर्गत 9 जून को डिजिटल प्रतियोगिता, 10 से 11 जून पत्रकार वार्ता, 15 से 20 जून मंडलों में योग, 21 जून को योग दिवस कार्यक्रम, 23 जून को बलिदान दिवस, 25 जून को आपातकाल पर सेमिनार आयोजित किए जाएंगे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक प्रहलाद शर्मा द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, देशबंधु परिसर, प्लॉट नं.26-बी, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल,म.प्र. से मुद्रित अनोखा तीर कार्यालय नया बस स्टैंड के सामने, हरदा, म.प्र. से प्रकाशित। प्रधान संपादक सुरेश लोहाना / संपादक प्रहलाद शर्मा / प्रबंध संपादक महेश कौशिक। फोन : 07577-226771 मो.9425045480, समाचार चयन के लिए पी.आर. बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र हरदा रहेगा।

जिले में उत्साह ने मना ईद-उल-अजहा का त्यौहार

देश की सलामती और तरक्की के लिए मांगी दुआएं

अनोखा तीर, हरदा।

शनिवार को जिले में ईद-उल-अजहा का त्योहार उत्साह के साथ मनाया गया। जिला मुख्यालय की ईदगाह समेत जिले की मस्जिदों में विशेष नमाज अदा की गई। ईद-उल-अजहा त्योहार के मौके हिंदू-मुस्लिम भाइयों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। इससे पहले नगर पालिका ने मस्जिदों और मुस्लिम बाहुल्य जिला प्रशासन ने त्योहार को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने के लिए मस्जिदों, ईदगाह और मुस्लिम बस्तियों में पुलिस बल तैनात किया। नगर पालिका ने भी मस्जिदों और मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में विशेष सफाई की व्यवस्था की। नमाजियों ने देश की सलामती, शांति और तरक्की के लिए दुआएं मांगी। शहर स्थित नियाजी मस्जिद, मोहम्मद मस्जिद खेड़ीपुरा, हुसैनी और नूरी मस्जिद मानपुरा तथा फाइल वार्ड स्थित मस्जिद में नमाज अता की गई। नमाज के बाद पैगंबर हजरत इब्राहिम की सुन्नत के अनुसार कुर्बानी की रस्म अदा की गई। मुस्लिम समाज के लोगों ने अपने घरों में बकरे की कुर्बानी दी और परिजनों में उसका बंटवारा किया। शहर काजी मुफ्ती मोहम्मद रिजवान ने बताया कि कुर्बानी एक माली इबादत है। नमाज के बाद पूर्वजों की कब्र पर पहुंचकर फातिहा पढ़ी।

सड़क हादसे में 30 वर्षीय युवक घायल

अनोखा तीर, हरदा।

शनिवार को हुए सड़क हादसे में 30 वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में चोट लगने से युवक बेसूध हो गया जिसे एक आटो चालक उपचार हेतु जिला अस्पताल लेकर पहुंचा। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोनपुरा सिराली निवासी सूरज पिता राजाराम कोरकू उम्र 30 वर्ष बायपास रोड़ हरदा में सड़क हादसे का शिकार हो गया। हादसे में सूरज को गंभीर चोट आने से वह घटना स्थल पर बेसूध हो गया। जिसे आटो चालक बेसूध हालत में जिला अस्पताल लेकर पहुंचा। जहां युवक का उपचार किया जा रहा है।

जिला मुख्यालय पर अपराधियों के हौंसले बुलंद

अनोखा तीर, हरदा।

हरदा जिला मुख्यालय पर अपराधियों के हौसले बुलंद है। जिला मुख्यालय पर दो थाने होने के बाद जनता लुटी जा रही है। पुलिस अधीक्षक द्वारा क्राइम मीटिंग में सभी थाना प्रभारियो को सख्त निर्देश दिए थे कि अपराधियों में पुलिस का भय पैदा करें, परंतु हरदा जिला मुख्यालय पर उसका कोई असर नहीं दिखाई दे रहा है। अपराधी खुलेआम अपराध करके निकल जातें हैं, इसके बाद पुलिस पहुंचती है और फिर उनकों ढूढने की भी कोशिश नहीं की जाती है। यदि कोई शिकायत करने जाता है तो आवेदन ले कर चलता कर देते हैं। बस स्टैंड पर रात्रि के समय यात्रियों के साथ लूट आम हो चली है। पुलिस अधीक्षक को चाहिए की बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन ऐसे सार्वजनिक स्थलों पर संबंधित थाना प्रभारी और वीट प्रभारियों के नबंर प्रिंट करवाना चाहिए, जिससे बाहरी व्यक्ति इसकी सूचना तत्काल दे सकें और बस स्टैंड पर सीसीटीवी कैमरे के लिए भी व्यवस्था करना चाहिए, जिससे अपराधियों को पहचानने में सहुलियत हो सकें।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता संघ की नवीन कार्यकारिणी का गठन

अनोखा तीर, हरदा। कृषक विश्राम गृह कृषि उपज मंडी हरदा में प्रदेश उपाध्यक्ष आंगनवाड़ी कार्यकर्ता संघ प्रीति यदुवंशी संभाग प्रभारी ने नवीन जिला कार्यकारिणी की घोषणा की। इस कार्यक्रम में भारतीय मजदूर संघ की प्रदेश उपाध्यक्ष वंदना राजोरिया, विभाग प्रमुख जितेंद्र सोनी, जिलाध्यक्ष मुकेश

धामन्दे, जिला मंत्री प्रबल पंवार, कैलाश विश्वकर्मा की उपस्थिति में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका संघ की जिला कार्यकारिणी की घोषणा की गई। जिसमें जिला अध्यक्ष– कविता मरापे, उपाध्यक्ष– शोभा ठाटे, अन्नपूर्णा बिल्लोरे, माया चौहान को नियुक्त किया गया। वहीं जिला सचिव रजनी छलोत्रे, सह सचिव भागवती पटवारे, विमला चावरा, मनीषा लोमरे, कोषाध्यक्ष मनीषा औसले, कार्यालय मंत्री सीमा सोनी एवं सह कार्यालय मंत्री रीता प्रजापति, सर्वसम्मति से हुए निर्वाचित।

पत्रकार श्री चौबे का निधन

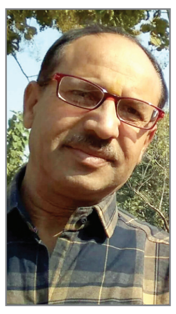

अनोखा तीर, हरदा। सड़क हादसे का शिकार दैनिक भास्कर के वरिष्ठ पत्रकार धर्मेंद्र चौबे पिता स्व ब्रजमोहन चौबे का असमय निधन हो गया है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें। इस दुख की घड़ी को सहन करने के लिए परिवार को सहनशक्ति प्रदान करें। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान करें। स्व. श्री चौबे का अंतिम संस्कार 8 जून रविवार को नर्मदा तट नेमावर में होगा। अंतिम यात्रा सुबह 8 बजे निज निवास वार्ड 28 महारानी लक्ष्मी वार्ड कलेक्ट्रेड के पीछे से निकलेगी।

पंचायतों में जल संरक्षण एवं पौधारोपण के कार्य कराएं पंच और सरपंच

- सरपंच पंचायत की आय बढ़ाएं और गांव में विकास कार्य कराएं
- पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री ने टिमरनी में सरपंच सम्मेलन में किया संबोधित

अनोखा तीर, हरदा/टिमरनी।

प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने शनिवार को टिमरनी में आयोजित सरपंच सम्मेलन में संबोधित करते हुए पंचायतों के सरपंचों से अनुरोध किया कि अपनी अपनी पंचायत क्षेत्र में अधिक से अधिक पौधे लगाएं, और जल स्त्रोतों के संरक्षण के कार्य कराएं। इस अवसर पर पूर्व मंत्री कमल पटेल जिला पंचायत अध्यक्ष गजेंद्र शाह, उपाध्यक्ष दर्शन सिंह गहलोत, पूर्व विधायक संजय शाह, जिला भाजपा अध्यक्ष राजेश वर्मा, टिमरनी नगर परिषद के अध्यक्ष देवेंद्र भारद्वाज तथा उपाध्यक्ष राजा कौशल सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण भी मौजूद थे। पंचायत ग्रामीण विकास मंत्री श्री पटेल ने उपस्थित सरपंचों से कहा कि पंचायतों में विकास कार्यों के लिए धन की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में सरकार ने पंचायतो के अधिकार भी बढ़ाए हैं और खर्च की सीमा भी बढ़ाई है। साथ ही पंचायतो को विकास कार्यों के लिए पहले से अधिक राशि आवंटित की जा रही है। पंचायत ग्रामीण विकास मंत्री श्री पटेल ने कहा कि सरपंच ईमानदारी से कार्य करें, उन्हें किसी से डरने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के नए प्रावधानों के तहत अब पुल पुलिया पहले से अधिक ऊंचाई के बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हरदा जिले में 500 से अधिक आबादी की 15 बस्तियां चिन्हित की गई है जहां प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत नई सड़कें निर्मित की जाएगी। उन्होंने बताया कि हरदा जिले में 14 नए पुल पुलिया भी इस योजना के तहत निर्मित करने हेतु स्वीकृत किए गए हैं। पंचायत ग्रामीण विकास मंत्री श्री पटेल ने कहा कि मध्य प्रदेश में 247 नदियों का उद्गम स्थल है। इसके बावजूद प्रदेश के ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में कुओं और ट्यूबवेल का जलस्तर गिरता जा रहा है। आज जरूरत जलस्त्रोतों के संरक्षण और पौधारोपण की है। मंत्री श्री पटेल ने इस अवसर पर कहा कि नर्मदा परिक्रमा पथ की पंचायतो में रेवा आश्रय सामुदायिक भवन बनाए जाएंगे। पूर्व मंत्री कमल पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय संस्कृति में नदियों की पूजा की जाती थी। लेकिन आज नदियों का संरक्षण करना पड़ रहा है। नदियों के संरक्षण के लिए सभी सरपंचों से उन्होंने पौधारोपण का संकल्प लेने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जल संरक्षण एवं संवर्धन के अनेक कार्य कराए जा रहे हैं। इसी अभियान के तहत हरदा जिले में भी जल स्त्रोतों के संरक्षण के कार्य कराए गए हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष श्री शाह ने अपने संबोधन में मंत्री श्री पटेल से अनुरोध किया कि हरदा जिले में पंचायत सचिव और ग्राम रोजगार सहायकों के पद रिक्त पड़े हैं जिससे विकास कार्य प्रभावित हो रहे है।

कुएं में गिरे तेंदुए को खटिया के सहारे बचाया

- वन विभाग की टीम ने किया रेस्क्यू, सुरक्षित जंगल की ओर भागा

अनोखा तीर, देवास। जिले के ग्राम पान्दाजगिर में एक कुएं में गिरे तेंदुए को वन विभाग की टीम ने सुरक्षित बाहर निकाल लिया। ग्रामीण कैलाश पाटीदार ने तेंदुए को कुएं में गिरा देखा और तुरंत वन विभाग को सूचना दी। वनमंडल अधिकारी अमित सिंह चौहान और उप वनमंडल अधिकारी संतोष शुक्ला के निर्देशन में रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू हुआ। रेंजर राजेंद्र कुमार सोलंकी के नेतृत्व में मौके पर पहुंची टीम में डिप्टी रेंजर बसंत राव नवले, बीट प्रभारी हेमराज गोखले, शिवप्रताप सिंह और अन्य कर्मचारी शामिल थे। रेस्क्यू एक्सपर्ट राजेश चौहान, अंकित मंडलोई, दिनेश चौधरी और मनीष परमार ने तकनीकी उपकरणों की मदद से तेंदुए को सुरक्षित बाहर निकाला। रेस्क्यू के बाद तेंदुआ जंगल की ओर भाग गया। इस ऑपरेशन में स्थानीय वन समिति अध्यक्ष दिलीपसिंह बेस, अंतर सिंह बैस, बाबूलाल पाटीदार, जितेंद्र पाटीदार, गोपाल रायपुरिया, पीरूलाल रायपुरिया और अन्य ग्रामीणों का भी सहयोग रहा। वन विभाग ने सभी का आभार जताया है।

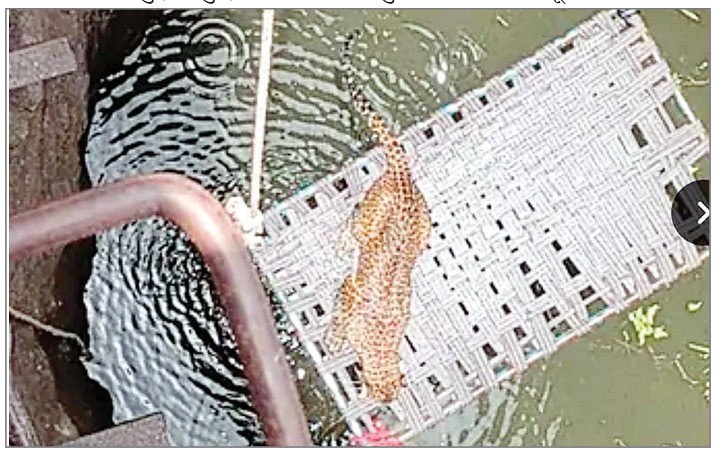

500 साल पुरानी बावड़ी पर मना बावड़ी उत्सव

- आकर्षण प्रकाश व्यवस्था, दीपकों से सजाई बावड़ी
- ग्रामीण महिलाओं ने मंगलमय गीतों से उत्सव को दिया जीवंत रूप

अनोखा तीर, हरदा।

ग्राम मांगरुल में शासन की मंशानुसार बावड़ी उत्सव मनाया गया, जिसमें जन अभियान परिषद के विकासखंड हरदा द्वारा मांगरुल की प्राचीन ऐतिहासिक बावड़ी पर आयोजन किया गया। बावड़ी पर आकर्षक रंगीन प्रकाश व्यवस्था, रंगोली, साउंड के साथ ग्रामीणों की सहभागिता हेतु घरों से 5 दीपक लाने हेतु अपील कर आग्रह किया जो सफलता की ओर नवाचार सिद्ध हुआ लोगों ने अपने घरों से दीपक लाकर, मंगलमय गीत गाये। प्राचीन धरोहर जिनका इतिहास सालों पुराना है, धार्मिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक, भौगोलिक, मानवीय भव को जीवंत करती ये धरोहर उस समय की पहचान का दर्पण है, जिनको साल दर साल खोते चले जा रहे है। आधुनिक में प्राचीनकाल कल की धरोहर को बचाएं रखना चुनौती पूर्ण है, लेकिन भविष्य में अतीत के सुनहरे पल का वर्तमान में दर्शन महत्वपूर्ण हो चला है। इस हेतु अभियान चलाए जा रहे है। मध्य प्रदेश शासन की मंशा, जिला प्रशासन के निर्देशानुसार जन हित में कार्य को मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद सार्थक कार्य में सहभागिता दे रहा है। हरदा जिले के ग्राम मांगरुल में 500 साल से अधिक प्राचीन बावड़ी धरोहर के रूप में स्थापित है, जो गांव की पहचान है। बावड़ी का निर्माण इस प्रकार से उस काल में हुआ जो आज आधुनिकता के काल में होना आसान नहीं है। इसी धरोहर को बचाने, विलुप्त इतिहास को जीवंत करने का कार्य, जन साधारण के सहयोग से किया जा रहा है। जिसमें नवांकुर संस्था, प्रस्फुटन समितियां, परामर्शदाता सीएमसीलडीपी के विद्यार्थी एवं ग्रामीणों द्वारा कार्य किया जा रहा है। संगोष्ठी, चौपाल बैठक, नुक्कड़ नाटक, श्रमदान, साफ-सफाई, रैली, दीवार लेखन सहित अन्य नवाचारो के माध्यम से समाज को जागरूक कर पाकृति संरक्षण आमजन को जुड़कर एक जीवंत कार्य किया जा रहा है। इस हेतु जल गंगा संवर्धन अभियान, पर्यावरण संरक्षण, नर्मदा पथ सर्वेक्षण, एवं बावड़ी महोत्सव उत्सव कर रहा है। इस अवसर पर मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक संदीप गोहर, विकासखंड समन्वयक राकेश वर्मा, परामर्शदाता सुरेन्द्र सिंह चौहान, संजय ठाथे, दीनबंधु गौर, श्रीमती अनुसुईया दामादे, सरपंच कमलेश, उप सरपंच लोकेश, सचिव रानी मैडम, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता कृष्णा मैडम, कविता, शोभा धनगर, प्रेमसिंह, अजय सिंह, धर्मेंद्र सिंह विश्वकर्मा, रणवीर विश्वकर्मा, डॉक्टर सुशांत शर्मा, दीपक भैसारे, बसंत धनगर एवं अशोक धनगर, राधेश्याम विश्वकर्मा, प्रहलाद नागवे, दिपांशु सोनी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

रमेश बिश्नोई की गाय को मिला 51 हजार का प्रथम पुरस्कार

-भारतीय उन्नत नस्ल की दुधारू गाय हेतु पुरस्कार वितरण समारोह

अनोखा तीर, हरदा। भारतीय उन्नत नस्ल की दुधारू गाय हेतु पुरस्कार योजना अंतर्गत जिला स्तरीय पुरस्कारों का वितरण शनिवार को हरदा विधायक डॉ.आरके दोगने व पूर्व मंत्री कमल पटेल ने किया। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष दर्शन सिंह गहलोत और अध्यक्ष कृषि स्थाई समिति जिला पंचायत ललित पटेल भी मौजूद थे। पशुपालकों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार के रूप में क्रमशः 51 हजार, 21 हजार और 11 हजार रुपए की राशि संबंधितों के बैंक खातों में पशुपालन विभाग द्वारा अंतरित की जाएगी। प्रथम पुरस्कार रमेश बिश्नोई ग्राम एडाबेड़ा विकासखंड हरदा की गाय को मिला। जिसने 16.28 लीटर उत्पादन प्रतिदिन दिया। द्वितीय पुरस्कार बृजमोहन बिश्नोई ग्राम हरपालिया विकासखंड खिरकिया को दिया गया है, जिनकी गाय ने औसत उत्पादन प्रतिदिन 15.399 लीटर दिया। तृतीय पुरस्कार श्रीमती राधिका गुर्जर निवासी सिराली विकासखंड खिरकिया को दिया गया जिनकी गाय ने 14.539 लीटर औसत दुग्ध उत्पादन प्रतिदिन दिया। वित्त वर्ष 2025-26 के अंतर्गत समुन्नत योजना अंतर्गत दो पशुपालकों को मुर्रा सांड हेतु, बकरी इकाई योजना अंतर्गत सात हितग्राहियों को अनुदान राशि का स्वीकृति पत्र प्रदान किया। कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्ता प्रशिक्षण कार्यक्रम अंतर्गत प्रशिक्षित 14 मैत्रियों को कृत्रिम गर्भाधान किट प्रदान की गई। बड़ी संख्या में पशुपालक एवं पशु चिकित्सा विभाग का क्षेत्रीय अमला भी कार्यक्रम में उपस्थित हुआ। उपसंचालक पशुपालन डॉ एस के त्रिपाठी ने सभी पशुपालकों एवं जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया है।

सरकार को चेतावनी...किसानों के सब्र का इंतहान न ले सरकार

अनोखा तीर, हरदा। समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदी की मांग को लेकर भारतीय किसान संघ द्वारा सरकार को चेतावनी देते हुए कहा गया है कि किसानों के सब्र का इम्तहान लेना बंद करें सरकार अन्यथा किसानों जन सैलाब सड़कों पर उतरेगा। किसान संघ हरदा जिले की सभी छह तहसीलों में 10जून को आंदोलन शुरू किया जाएगा।

इसके बाद जिला स्तर और फिर राज्य स्तर तक आंदोलन जारी रहेगा। किसान संघ ने आगे कहा कि इस अंधी-बेहरी सरकार को किसान अब यह बताएंगे की कौन सी वस्तुओं में जहर है और कौन सी में नहीं। किसान अपनी ऊपज को कीट व्याधि से बचाने के लिए दवाई का छिड़काव करता है। किसान संघ के जिला प्रवक्ता राजनारायण गौर ने कहा की सरकार के अनुसार यदि दवाओं के छिड़काव से फसल जहरीली होती है, तो इन दवाइयों को ही बंद क्यू नहीं कर देते, शराब से कितने लोगों की जिंदगी बर्बाद हो चुकी है उसे बंद करे, इंजेक्शन से पपीता,आम पकाए जा रहे है वही कार्बाइड से केले पका रहे है। उन्हें क्यों बंद नहीं किया जा रहा है। उन्हें बंद करे सरकार, किंतु ऐसा नहीं कर सकती, क्योंकि उन उद्योगपतियों से रोकड़ा मिलता है। किसानों ने ठान लिया तो पूरा देश भूख से तिलमिला जाएगा। हमारे सब्र का इम्तहान न ले सरकार। किसान संघ ने सभी किसानों का आवाहन करते हुए कहा है कि यह किसी एक आदमी की लड़ाई नहीं है, सभी लोग एकजुट होकर प्रयास करेंगे तो सफलता अवश्य मिलेगी।